तापमान

अधिकतम 37 .4 डिग्री
न्यूनतम 23 .5 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, रविवार, 12 मई 2024

9 मदर डे पर कार्यक्रम का आयोजन

10 मतगणना की तैयारियों को लेकर किया बिट्स का दौरा

खबर संक्षेप

पिकअप ने स्कूटी सवार को टक्कर मारी

खरखौदा। गोपालपुर बाईपास पर एक महिंद्रा पिकअप गाड़ी ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी। जिससे स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। गांव कुंडल निवासी सतीश ने बताया कि वह स्कूटी पर खरखौदा से अपने गांव जा रहा था। जब वह गोपालपुर बाईपास पर पहुंचा तो महिंद्रा पिकअप गाड़ी ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए मैक्स अस्पताल दिल्ली ले गए हैं। पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

संदिग्ध हालत में मिला युवक का शव

सोनीपत। मुरथल रोड पर स्थित मिष्ठान भंडार के सामने खाली जमीन पर एक व्यक्ति का शव मिला है। आसपास के लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। वार्ड-1 के पार्षद हरिप्रकाश सैनी ने बताया कि मुरथल रोड पर खाली जमीन पर शव पड़ा होने की सूचना पर मौके पर पहुंचे थे। आसपास के लोगों ने बताया कि मृतक व्यक्ति वहीं आसपास के क्षेत्र में कचरा बीनता था। शनिवार को लोगों ने उसका शव वहां देखा। सूचना पाकर वह भी मौके पर पहुंचे। मामले की सूचना पुलिस को दी गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर शव की पहचान का प्रयास किया, लेकिन कोई सुराग नहीं लग पाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में रखवा दिया है। सेक्टर-27 थाना पुलिस का कहना है कि शव की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे है।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

खरखौदा। सोनीपत मार्ग पर मोटरसाइकिल सवार द्वारा एक युवक को टक्कर मार देने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए पीजीआई रोहतक ले जाया गया। इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। वार्ड संख्या एक निवासी कपिल ने बताया कि शुक्रवार को देर रात्रि को उसे सूचना मिली कि उसके भाई गौतम का सोनीपत मार्ग रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने एक्सीडेंट हुआ है। जब वह मौके पर पहुंचा तो पता चला कि उसका भाई गौतम और उसका दोस्त संदीप सड़क पर पलट गए कैंटर की मदद कर रहे थे। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल ने उसके भाई गौतम को सीधी टक्कर मार दी। जिससे उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। वह अपने भाई को उसके दोस्त संदीप की मदद से पीजीआई रोहतक इलाज के लिए ले आया। शनिवार को इलाज के दौरान उसके भाई गौतम की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार किया जाएगा।

शुक्रवार रात आफत बनकर आया तूफान : 20 घंटे छाया रहा ब्लैक आउट

7 हजार पेड़ उखाड़े, 1456 खंभे और ट्रांसफार्मर गिरे

आंधी में उड़कर आई टीन किशोरी के गले पर लगी, मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

शुक्रवार रात आई आंधी जिले में आफत बनकर आई। आंधी ने कहर बरपाते हुए जिले भर में सात हजार से अधिक पेड़ उखाड़ दिए, वहीं 1456 बिजली के खंभे व ट्रांफार्मर के पोल भी तोड़ दिए। जिससे बिजली निगम को करीब 1.32 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आंधी ने सड़कों के साथ-साथ रेल यातायात को भी पूरी तरह से प्रभावित किया। खंभों के टूटने की वजह से जिले भर में लगभग 20 घंटे तक ब्लैक आउट छाया रहा। बिजली आपूर्ति पूरी तरह से ठप थी, जिसके कारण पेयजल आपूर्ति भी पूरी तरह से ठप हो गई। शनिवार सुबह जहां-जहां बिजली आपूर्ति शुरू हुई, वहां-वहां बूस्टिंग स्टेशनों को चालू कर पानी की सप्लाई की गई। शाम पांच बजे तक आधे शहर में बिजली आपूर्ति ठप थी, जिसकी वजह से 7 बूस्टिंग स्टेशन भी बंद रहे। कई जगहों पर नगर निगम द्वारा पानी के टेंकर भेज कर पेयजल व्यवस्था की गई। वहीं आंधी के साथ आई बारिश ने रेल यातायात प्रभावित किया। रेलवे ट्रैक पर कई स्थानों पर पेड़ों के तने टूटकर गिरने से रेलवे यातायात बाधित हो गया। जिससे लंबी दूरी की ट्रेनें अलग-अलग स्टेशनों पर खड़ी रही। ट्रेनों में भारी भीड़ होने के चलते यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। करीब दो घंटे तक रेलवे यातायात बाधित रहा। तूफान में लगभग सात हजार से ज्यादा पेड़ उखड़ कर सड़कों पर गिर गए।

- बिजली निगम को 1.32 करोड़ रुपये का नुकसान
- ब्लैक आउट होने की वजह से बाधित रही पेयजल आपूर्ति
- कई जगहों पर लोहे के शेड उखड़े, मार्ग पर पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित, सोलर पैनल तक उखड़ गए

1334 खंभे तो 122 ट्रांसफार्मर गिरे

शुक्रवार रात को आई आंधी का असर जिले की बिजली आपूर्ति सहित यातायात व्यवस्था पर पड़ा। आंधी के कारण विभिन्न स्थानों पर बिजली के 1334 खंभे व 122 ट्रांसफार्मर गिर गए। कई जगह बिजली की लाइनें टूटकर गिर पड़ी। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों व खेतों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। रात भर शहरी व ग्रामीण क्षेत्र अंधेरे में डूबे रहे। शनिवार सुबह बिजली निगम के कर्मचारी फाल्ट तलाशने व हुए नुकसान का आंकलन करने में जुट गए। बिजली निगम के अधिकारियों का कहना है कि शनिवार शाम तक करीब 60 फीसदी बिजली आपूर्ति बहाल कर दी थी। देर रात तक अधिकतर क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति बहाल करने का दावा किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि कृषि क्षेत्र की बिजली आपूर्ति अभी बंद रहेगी।

गिरी मकान की छत, हवा में उड़े बोर्ड

आंधी में सोनीपत के बड़ा बाजार स्थित दुकान की छत पर लगा टावर साथ लगते मकान की छत पर गिर गया। जोरदार आवाज के साथ टावर गिरने से लोगों में हड़कंप मच गया। शुक्रवार रात को आंधी में दुकानों के बाहर लगे साइन बोर्ड हवा में उड़ते रहे। खंभों पर लगाए गए साइन बोर्ड भी आंधी में गिर गए।

छत गिरने से चोटिल

अनेक स्थानों पर भारी भरकम पेड़ उखड़कर गिर गए। जिससे यातायात बाधित हो गया। जाहरी के नजदीक अंडरपास पर लगी शेड पोल सहित उखड़कर गिर गई। जिससे यह मार्ग भी यातायात के लिए बाधित हो गया। वहीं चिटाना में अतर सिंह के मकान की छत गिर गई, जिसके चलते अरमान, दर्शना और गीता चोटिल हो गए। इसके अलावा घर के सामान का भी नुकसान हुआ है।

सोनीपत। चिटाना में आंधी के चलते क्षतिग्रस्त मकान।

बूस्टिंग स्टेशन बंद रहने से पेयजल को तरसे

रेनीवेल प्रोजेक्ट के तहत गांव जाजल से लेकर सोनीपत शहर तक करीब 24 किमी लंबी पेयजल पाइप लाइन के जरिये 14 लाख लीटर पानी आपूर्ति की जाती है। इसके लिये नगर निगम की ओर से रेनीवेल पर 20 घंटे ट्यूबवेल चलाए जाते हैं। शुक्रवार रात को आई आंधी के दौरान बिजली आपूर्ति ठप हो गई। शहर के अंदर बूस्टिंग स्टेशनों पर जितना पानी की मात्रा थी, उसी से काम चलाया गया। जिन इलाकों में दिनभर बिजली आपूर्ति शुरू नहीं हुई पश्चिमी क्षेत्र के कालूपुर, पुरानी तहसील, सेक्टर-23, पूर्वी क्षेत्र में आईटीआई, नागरिक अस्पताल, मॉडल टाउन, सुजानसिंह पार्क के बूस्टिंग स्टेशन बंद रहे। वहां से पानी की आपूर्ति न होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

यह कॉलोनियां रही सबसे ज्यादा प्रभावित

पेयजल आपूर्ति नहीं होने के कारण कबीरपुर, मॉडल टाउन, धानक बस्ती, आदर्श नगर, ऋषिनगर, शिव कॉलोनी, तारा नगर, नरेंद्र नगर और सिक्का कॉलोनी समेत अन्य कई कॉलोनियों के लोगों को पानी की किल्लत झेलनी पड़ रही है। न्यू मिशन कॉलोनी, भगत सिंह कॉलोनी, विकास नगर, मालवीय नगर, वेस्ट रामनगर, गढ़ी घसीटा, ककरोई रोड, डबल स्टोरी, पंचशील कॉलोनी, सुंदर सांवरी, न्यू महावीर कॉलोनी, सुदामा नगर, बाबा कॉलोनी, मोहन नगर, लक्ष्मण कॉलोनी में सबसे ज्यादा पेयजल समस्या बनी रही। इन कॉलोनियों में पानी की आपूर्ति न होने से लोगों को परेशानी हुई। लोगों को पेयजल के लिए कैंपर खरीदकर काम चलाना पड़ा है।

रेल यातायात प्रभावित

आंधी के साथ आई बारिश में पेड़ों के तने टूटकर कई स्थानों पर रेलवे ट्रैक पर गिर गए। दिल्ली-पानीपत रेलवे लाइन पर समालखा व दीवाना स्टेशन के पास ट्रैक पर पड़े पेड़ों के कारण ट्रेनों के पहिये थम गए। एचएनके सवारी गाड़ी में बैठे यात्रियों ने ट्रैक पर पड़े पेड़ों के तने हटाते हुए रास्ता साफ किया। हालांकि दिल्ली से पहुंची टीम ने भी तकनीकी खामी को दूर कर ट्रेनों का परिचालन शुरू करवाया। इस दौरान मूरी एक्सप्रेस सांदल कलां स्टेशन पर, हिमाचल एक्सप्रेस सोनीपत स्टेशन पर, नेताजी एक्सप्रेस राठधना स्टेशन पर, एचएनके पैसेंजर दीवाना स्टेशन पर, ईडीपी पैसेंजर समालखा स्टेशन पर खड़ी रही।

बिघल-पिनाना मार्ग पर टूटा शेड

आंधी के कारण टूटे पड़े सोलर पैनल

तूफान में घायल हुए परिवार के लोग

टैंकरों से पानी की आपूर्ति की गई

रात को आई आंधी की वजह से बिजली आपूर्ति बंद रही। जिसकी वजह से जाजल के पास रेनीवेल से शहर में पानी नहीं आया। जिन क्षेत्रों में बिजली बहाल होती गई, वहां के बूस्टिंग स्टेशनों से पानी आपूर्ति की गई। शहर के जिन इलाकों में बूस्टिंग स्टेशनों से पानी की आपूर्ति नहीं हुई वहां पर टैंकरों से पानी की आपूर्ति की गई।

विशाल गर्ग, कार्यकारी अभियंता नगर निगम

आंधी में गिरे पेड़ों को ट्रैक से हटाया

आंधी के चलते पेड़ों के तने टूटकर रेलवे ट्रैक पर गिरने से रेलवे यातायात बाधित हो गया था। जिस कारण ट्रेनों को अलग-अलग स्टेशनों पर रोकना पड़ा। इससे यात्रियों को थोड़ी परेशानी झेलनी पड़ी। ट्रैक बहाल कर रेलवे यातायात सुचारू करवा दिया था।

दीपक कुमार, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, दिल्ली

दोपहर को बिजली आपूर्ति बहाल की

आंधी से बिजली की लाइनों को नुकसान हुआ है। जिलेभर में करीब 850 खंभे व ट्रांसफार्मर टांसफार्मर गिर गए। अधिकतर इलाकों में दोपहर पूर्व ही बिजली आपूर्ति चालू कर दी थी।

जीआर तंवर, अधीक्षण अभियंता, बिजली निगम

14 साल की थी संध्या परिवार में शोक

सोनीपत। रात को आंधी में उड़कर आई टीन किशोरी के गले पर जा लगी। जिससे किशोरी की मौत हो गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के गांव दिलीपुर का परिवार सात माह पहले गांव शहजादपुर में विकास ईंट भट्ठे पर आया था। मिथलेश ने बताया कि शुक्रवार रात को परिवार के सदस्य भट्ठे पर बनी झोपड़ी में सो रहे थे। इसी दौरान आंधी आ गई। जिसमें झोपड़ी के उड़ने के डर से वह बाहर आ गए। सदस्य बाहर आए तो उनकी बहन संध्या (14) भी झोपड़ी से निकलने लगी। इसी दौरान टीन उडकर उसकी गर्दन में जा लगी। हादसे में संध्या की मौके पर ही मौत हो गई। टीन उसके ऊपर गिर गई। जब वह दिखाई नहीं दी तो उसकी तलाश शुरू कर दी।

पीछे तबाही छोड़ गया तूफान

खरखौदा। बीती रात आए तूफान में खरखौदा क्षेत्र में आम लोगों को भी काफी नुकसान हुआ है। किसानों की फसलें भी तबाह हो गई हैं। बेल व टमाटर की फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं खरखौदा में बिजली व्यवस्था करीब 19 घंटे प्रभावित रही। बिजली निगम के कर्मचारियों की काफी मेहनत के बाद बिजली लाइन को सुचारु किया जा सका। इलाके में करीब 180 खंभे इस तूफान में गिर गए और वन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 400 वृक्षों को नुकसान हुआ है। सड़क किनारे जो वृक्ष गिरे उनसे बिजली लाइन को भी प्रभावित किया है। इसलिए वन विभाग व बिजली विभाग के सांझा प्रयास से मार्गों पर गिरे वृक्षों को हटाया जा सका और बिजली सुचारू की गई। इसी तरह के हालात गांव में भी रहे। गांव के सरपंचों ने व ग्रामीणों ने साथ मिलकर विभाग का कार्य कराया और बिजली लाइन को शुरू करवाया। बिजली लाइन प्रभावित के कारण खरखौदा शहर में पेयजल की सप्लाई भी नहीं हो पाई। खांडा गांव में खेतों में बनी डेयरी की शेड तूफान में उड़ गई और खेतों में लगे सोलर सिस्टम भी कई एकड़ दूर मिले। खरखौदा कन्या महाविद्यालय में बैडमिंटन हाल की शेड व अन्य कई जगह पर शेड भी उड़ गई।

डेढ़ सौ एकड़ का तूड़ा जला

खरखौदा। सेहरी गांव में 150 एकड़ के तूड़े में शुक्रवार की रात को तेज आंधी के कारण आग लग गई। जिससे तूड़ा जल कर राख हो गया। राकेश का कहना है कि वह बीते दो-तीन साल से तूड़े का स्टाक करता है।इस बार भी उसने 150 एकड़ के तूड़े का स्टाक किया था। शुक्रवार को करीब सवा नौ बजे आई तेज आंधी में कहीं से चिंगारी उड़कर आई और तूड़े के ढेर में इससे आग लग गई। उन्होंने इसे बुझाने का प्रयास भी किया और दमकल केंद्र को भी इसकी सूचना दी। लेकिन तेज आंधी के कारण आग काबू से बाहर होती चली गई। साढ़े ग्यारह बजे दमकल गाड़ी पहुंची, लेकिन आग काबू में नहीं आ पाई, रात चार बजे तक सारा तूड़ा जलकर राख हो गया।

पोर्टेबल मशीन लेकर भाग निकला जांच करने वाला लोनी में केस दर्ज

30 हजार में तय हुआ था लिंग जांच का सौदा रोडवेज परिचालक सहित चार लोग गिरफ्तार

सोनीपत पीसी पीएनडीटी टीम ने की उत्तर प्रदेश में कार्रवाई, सोनीपत का था दलाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत की पीसी पीएनडीटी टीम ने उत्तर प्रदेश में कोख के कातिलों का पर्दाफाश किया है। सोनीपत से महिला डिकॉय को गाजियाबाद के लोनी स्थित तंग गली के घर में ले जाकर उनका अल्ट्रासाउंड कर गर्भ में लड़का होने की जानकारी दी गई। महिला डिकॉय ने भ्रूण लिंग जांच के लिए 30 हजार में सौदा किया था। इस पर टीम ने कार्रवाई करते हुए यूपी रोडवेज के परिचालक समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। वहीं अल्ट्रासाउंड करने वाला आरोपित पोर्टेबल मशीन लेकर भाग निकला। लोनी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीसी पीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ. सुमित कौशिक ने बताया कि कैथल स्वास्थ्य विभाग की गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसी पीएनडीटी) टीम को सोनीपत में भ्रूण लिंग जांच की सूचना मिल रही थी। इस पर वहां की टीम ने डिकॉय महिला तैयार की। महिला डिकॉय ने भ्रूण लिंग जांच के लिए सोनीपत निवासी दलाल गौरव मलिक से 30 हजार में सौदा किया। इस बीच कैथल के पीसी पीएनडीटी अधिकारी डॉ. दीपक पूनिया ने सोनीपत की टीम को मामले से अवगत कराया और कार्रवाई के लिए अपनी टीम में शामिल किया। दलाल गौरव मलिक ने डिकॉय महिला को सोनीपत बुलाया।

इसके बाद गौरव मलिक अपने मौसा उत्तर प्रदेश के बागपत निवासी जगत सिंह के पास डिकॉय महिला को लेकर पहुंचा। जगत सिंह यूपी रोडवेज में परिचालक है। वहां से जगत सिंह ने डिकॉय को बड़ौत में अपनी जानकार चिकित्सक ममता के पास भेज दिया। वहां ममता ने डिकॉय से 9 हजार रुपये ले लिए। इसके बाद ममता ने अपने बेटे अंकुर को गर्भवती महिला के साथ लोनी भेज दिया। लोनी से कुछ दूरी पर गर्भवती महिला को अंकुर अपनी बाइक पर बैठा कर तंग गलियों से ले जाकर विनीत भारद्वाज के पास घर में ले गया। जहां डिकॉय का विनीत भारद्वाज ने अल्ट्रासाउंड किया और उन्हें गर्भ में लड़का होने की बात कही।

सोनीपत। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा पकड़े आरोपित।

पैसे किए बरामद

इसके बाद टीम ने कार्रवाई करते हुए दलाल गौरव मलिक, अंकुर, ममता व यूपी रोडवेज के परिचालक को पकड़ लिया। जबकि अल्ट्रासाउंड करने वाला विनीत भारद्वाज पोर्टेबल मशीन लेकर भाग गया। इस पर टीम ने अंकुर से 11 हजार रुपये व उसकी मां ममता से 9 हजार रुपये बरामद हुए। टीम ने लोनी पुलिस को शिकायत देकर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

गढ़ी सिसाना में ग्रामीणों ने घेरकर दो चोरों को पकड़ा : **खरखौदा।** गढ़ी सिसाना गांव में एक घेर में चोरी करते हुए ग्रामीणों ने दो युवकों को पकड़ा है। धर्मेंद्र ने बताया कि गांव के साथ खेतों में उनका घेर बना हुआ है। जहां पर उनका गेहूं का ठेका व एक बैटरी का इन्वर्टर लगा हुआ है। करीब 10 दिन पहले उनके घेर से गेहूं व इनवर्टर की बैटरी को चोरी किया गया था। वह चोरों को पकड़ने के लिए अपने घेर में छिपकर बैठा हुआ था। दिन के करीब साढ़े 11 बजे दो युवक उनके घेर में घुस गए। उसने आवाज लगाकर पड़ोसियों को बुला लिया। पकड़े गए युवकों ने अपनी पहचान हुमायूंपुर निवासी रवि व अक्षय के रूप में दी।

कार की टक्कर में बच्चे के पैर की हड्डी टूटी, केस

सोनीपत। गांव खेवड़ा में चालक ने लापरवाही से कार चलाते हुए बच्चे को टक्कर मार दी। हादसे में नौ साल के बच्चे के पैर हड्डी टूट गई। बहालगढ़ थाना पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। गांव खेवड़ा निवासी नरेश कुमार ने पुलिस को बताया कि उनके परिवार में शादी थी। वह अपने बेटे समर आंतिल (9) के साथ शादी समारोह में गए थे। शादी का समारोह खेवड़ा-दीपालपुर रोड पर था। उनका नौ साल का बेटा समर आंतिल खाना खाने के बाद बाहर आया था। इस बीच एक व्यक्ति अपनी कार को तेज रफ्तार में चलाता हुआ लाया। वह कार को तेज दौड़ाकर अचानक ब्रेक लगा रहा था। जिससे कार ने उनके बेटे समर आंतिल को चपेट में ले लिया। उनके बेटे का पैर टूट गया। उन्होंने सोनीपत के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने उसके बेटे के पैर का आप्रेशन किया है।

दमदार रिटर्न दे रहा ईटीएफ निवेश की बनाएं रणनीति

मार्च 2024 में ईटीएफ में निवेश 10,500 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके पहले औसतन हर महीने 2,500 करोड़ रुपये का ही निवेश ईटीएफ में होता था। बाजार में ईटीएफ से जुड़े न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) भी आ रहे हैं। ईटीएफ में रिटर्न देखकर निवेशक आने लगे तो फंड हाउस भी एनएफओ लाने लगे हैं। भविष्य में ईटीएफ निवेश का अच्छा माध्यम बन सकता है।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

रिटेल निवेशकों का मार्च 2024 में म्यूचुअल फंडों की स्मॉल-कैप स्कीम्स में निवेश कम हुआ है। वे लार्ज-कैप और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) जैसे ऑप्शंस को तरजीह दे रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड इन इंडिया (एएमएफआई) के ताजा आंकड़ों से ये जानकारी सामने आई है। मार्च 2024 में ईटीएफ में निवेश 10,500 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके पहले औसतन हर महीने 2,500 करोड़ रुपये का ही निवेश ईटीएफ में होता था। बाजार में ईटीएफ से जुड़े न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) भी आ रहे हैं। म्यूचुअल फंड एक्सपर्ट्स का कहना है कि होटल वाले वही खाना पेश करते हैं, जिसकी डिमांड होती है। जब ईटीएफ में रिटर्न देखकर निवेशक आने लगे तो फंड हाउस भी एनएफओ लाने लगे हैं। ऐसे में निवेशकों का रुझान भी ईटीएफ की तरफ बढ़ने लगा है। लेकिन ईटीएफ में निवेश के लिए एक बेहतरीन रणनीति बनाई जानी चाहिए। इसके बाद ही ईटीएफ में निवेश करना चाहिए। इससे निवेशकों को कम समय में ही बढ़िया रिटर्न मिलेगा और वे जल्द मालामाल हो सकते हैं।

पिछले एक साल में कम से कम छह ईटीएफ ने 80 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। टॉप मोस्ट राइजिंग फंड में लगभग 110 प्रतिशत की ग्रोथ हुई।

स्टॉक की तरह होता है कारोबार

ईटीएफ मतलब एक्सचेंज ट्रेडेड फंड का शेयर बाजार में आम स्टॉक की तरह कारोबार होता है। पिछले एक साल में कम से कम छह ईटीएफ ने 80 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। टॉप मोस्ट राइजिंग फंड में लगभग 110 प्रतिशत की ग्रोथ हुई है। इनमें वे टॉप पर हैं, जो सरकारी कंपनियों में निवेश करते हैं। मतलब वे निफ्टी पीएसयू या पीएसई में निवेश करते हैं। ऐसे में रिटेल निवेशक इन पर टूट पड़े हैं। रिटेल निवेशकों के लिए जरूरी है कि पहले वे ईटीएफ के फायदे-नुकसान को समझें और बाद में निवेश करें।

अंतर समझना जरूरी

पीएसयू इक्विटी म्यूचुअल फंड और पीएसयू ईटीएफ के बीच का अंतर समझें। ईटीएफ में कई बार बाय-सेल में प्राइस डिफरेंस पे करना होता है। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि कुछ मामलों में लिक्विडिटी से लेकर सट्टा किस्म की जोखिम और जटिलताएं भी ईटीएफ से जुड़ी हैं।

क्या है पीएसई-ईटीएफ

निफ्टी पीएसई इंडेक्स में वे कंपनियां शामिल हैं जिनकी आउटस्टेंडिंग शेयर कैपिटल का 51% प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से केंद्र सरकार और/या राज्य सरकार के पास है। इसमें 20 स्टॉक्स हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल यह निवेशकों को अच्छा रिटर्न दे सकता है। ईटीएफ मतलब एक्सचेंज ट्रेडेड फंड, जो इंडेक्स, कमोडिटी, बॉन्ड्स जैसे असेट को ट्रेक करते हैं। सरल शब्दों में कहें तो ईटीएफ वे फंड हैं जो सीएनएक्स निफ्टी या बीएसई सेंसेक्स जैसे इंडेक्स को ट्रैक करते हैं। जब आप ईटीएफ के शेयर/यूनिट खरीदते हैं, तो आप एक पोर्टफोलियो के शेयर/यूनिट खरीद रहे हैं जो इसके नेटिव इंडेक्स की यील्ड और रिटर्न को ट्रैक करता है।

ईटीएफ मार्केट में चैलेंज

सर्वे के नतीजे बताते हैं कि लिक्विडिटी, मार्केट मूवमेंट और नए आइडिया पर आधारित प्रोडक्ट बड़े फैक्टर हैं, जो ईटीएफ मार्केट को चला रहे हैं, जबकि हिडन रिस्क और कम जानकारी ईटीएफ मार्केट के लिए बड़ी बाधाएं हैं, जिन पर म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री को ध्यान देने की जरूरत है। 'डिकोडिंग ईटीएफ परसेप्शन' शीर्षक से 15 शहरों में रह रहे 2109 निवेशकों के बीच किए गए इस सर्वे में महानगरों के साथ-साथ टियर 2 शहर भी शामिल हैं, जिसमें दिलचस्प नतीजे सामने आए हैं।

छोटे शहरों में बढ़ रहा क्रेज

म्यूचुअल फंड्स की ईटीएफ स्कीम्स को लेकर छोटे शहरों खासकर टियर 2 शहरों में तेजी से क्रेज बढ़ रहा है। 36-45 साल के निवेशकों के बीच इनकी डिमांड बढ़ रही। अलग-अलग मार्केट कैप प्रोडक्ट्स में लार्ज कैप और मिड कैप आधारित ईटीएफ की लोकप्रियता निवेशकों और निवेश की इच्छा रखने वाले लोगों के बीच ज्यादा है।

क्या है अंतर?

ईटीएफ और अन्य प्रकार के इंडेक्स फंड के बीच मुख्य अंतर यह है कि ईटीएफ अपने संबंधित इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश नहीं करते हैं, बल्कि केवल इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराते हैं। ईटीएफ पैसिवली मैनेज्ड होते हैं। इसका उद्देश्य एक विशेष मार्केट इंडेक्स से मेल खाना है, इसलिए इसका फंड मैनेजमेंट स्टाइल पैसिव होता है।

एक्टिव एमएफ एमएफ से अलग कैसे

शेयर बाजार में ट्रेडिंग के चलते इसे खरीदना और बेचना अपेक्षाकृत आसान है। इसमें निवेश के लिए आपको म्यूचुअल फंड के डिस्ट्रिब्यूटर के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ती। म्यूचुअल फंड की आम स्कीमों में अपनी यूनिट्स बेचने के लिए भी आपको म्यूचुअल फंड कंपनी के पास जाना पड़ता है। शेयर बाजार में खरीद-फरोख्त होने से इसकी कीमत रियल टाइम होती है। ईटीएफ खरीदने के लिए आपको अपने ब्रोकर के माध्यम से डीमैट अकाउंट खोलना होता है। इसके माध्यम से आप खरीद फरोख्त कर सकते हैं। यह बात म्यूचुअल फंड स्कीम में लागू नहीं होती।

अब 30 की उम्र वालों के लिए सुपरहिट प्लान

- इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश करें, 30 साल तक छोड़ दें, हर माह 3000 रुपये लगाने पर मिलेंगे 4.50 करोड़।
- इसमें 3.91 करोड़ रुपये तो सिर्फ ब्याज से ही मिलेंगे, रोजाना 100 रुपये बचाकर भी कर सकते हैं निवेश।
- रिटायरमेंट प्लानिंग भी बेहतर होगी।

बचत

बिजनेस डेस्क

अक्सर माना जाता है कि आदमी जितनी जल्दी निवेश शुरू करेगा, उतनी ही जल्दी अमीर बन जाएगा। यह बात काफी हद तक सच भी है। इसलिए सबको चाहिए कि वे जितनी जल्दी हो सके निवेश शुरू कर दें। इससे आपके पास अच्छा पैसा होगा और रिटायरमेंट भी बेहतर बनेगी। लेकिन, ये कोई नियम नहीं। निवेश में देर होती है, लेकिन अगर स्ट्रैटेजी सही है तो पैसा तो तब भी बनाया जा सकता है। अब देश में 30 साल की उम्र वालों के लिए भी म्युचुअल फंड में एसआईपी के कई बेहतरीन प्लान मौजूद हैं। इसमें बड़े निवेश की भी जरूरत नहीं है। बस आपको रोजाना 100 रुपये बचाने हैं। महीने के 3000 रुपये इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में लगाएं 30 साल के लिए छोड़ दें। इससे आपकी रिटायरमेंट प्लानिंग भी हो जाएगी। 30 साल बाद आपके पास 4.17 करोड़ रुपये होंगे। ये तो कुछ भी नहीं। रिटर्न की ऐसी ताबड़तोड़ बारिश होगी कि सिर्फ 3.58 करोड़ रुपये सिर्फ ब्याज से कमाई होगी।

ऐसे करती है काम

आप भी अच्छा रिटर्न प्राप्त करना चाहते हैं तो इक्विटी मार्केट में पैसा लगा सकते हैं। आप पैसा बनाना चाहते हैं तो लॉन्ग टर्म स्ट्रैटेजी सबसे सटीक काम करती है। अपनी इनकम से जरूरी खर्चे निकाल दें और उसके बाद सिर्फ 100 रुपये की रोजाना बचत करें। इस बचत से हर महीने निवेश करना है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) आपके पैसे को सही दिशा देगा और रिटर्न आपके पैसे को बढ़ाता चला जाएगा। इन्वेस्टमेंट एडवाइजर के मुताबिक, अगर बड़ा फंड चाहिए तो इक्विटी म्यूचुअल फंड्स अच्छा ऑप्शन हो सकता है। निवेशक 30 की उम्र में अपना पहला निवेश 3000 रुपये से करता है और 30 साल तक नियमित निवेश में करे तो बड़ा फंड तैयार होगा। इक्विटी म्यूचुअल फंड के सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेश करना फायदेमंद है।

कम्पाउंडिंग का मिलता है फायदा

एडवाइजर की मानें तो म्यूचुअल फंड में 30 साल के लिए निवेश करना है। इसमें अनुमानित 15% का रिटर्न मिलता है तो करोड़पति बनने की राह आसान हो जाती है। सबसे बड़ा फायदा इसमें कम्पाउंडिंग का मिलता है। मतलब 30 साल में 15% के साथ कम्पाउंड इंट्रस्ट का भी फायदा मिलेगा, लेकिन, इससे भी जरूरी है सबसे सटीक फॉर्मूला, जो एसआईपी में चार चांद लगा देगा। ये फॉर्मूला स्टेप अप एसआईपी का है। आपको बस हर साल 10% का स्टेप-अप रेट रखना है।

10% स्टेप-अप से बनेगा 4.50 करोड़ का कॉर्पस

आप 30 साल के हैं. रोजाना 100 रुपये बचाकर एसआईपी में निवेश किया है। 30 साल के लिए लॉन्ग टर्म स्ट्रैटेजी का लक्ष्य रखा। हर साल 10% स्टेप-अप करते रहे। 3000 रुपये से शुरुआत की तो अगले साल 300 रुपये बढ़ाने होंगे। 30 साल बाद आपके पास 4,50,66,809 रुपये मैच्योरिटी अमाउंट होगा। एसआईपी कैलकुलेटर के हिसाब से 30 साल में आपका कुल निवेश 59,21,785 रुपये होगा, लेकिन, यहां सिर्फ रिटर्न से 3 करोड़ 91 लाख 45 हजार 025 रुपये का फायदा होगा। एसआईपी में ये ही रिटर्न का जादू है। इस तरह सबसे सटीक फॉर्मूला स्टेप-अप की मदद से आपके पास 4 करोड़ 50 लाख रुपये का बड़ा फंड तैयार होगा।

28 साल में भी बन सकते हैं करोड़पति

आप 28 साल में ही करोड़पति बन सकते हैं बशर्ते आपका म्यूचुअल फंड आपको 13 प्रतिशत का रिटर्न दे। इस रिटर्न के हिसाब से आपकी संपत्ति 28 साल के बाद 10,176,162 रुपये होगी।

म्यूचुअल फंड पर कितना मिलता है रिटर्न

ज्यादातर विशेषज्ञों के मुताबिक एसआईपी के जरिए आप औसतन 12 प्रतिशत तक का ब्याज पा सकते हैं और कभी-कभी यह ब्याज दर बाजार के रही तेजी के कारण 15 और 20 फीसदी तक भी पहुंच सकती है या मंदी के कारण कम भी हो सकती है। आपको ब्याज संचय से लाभ होता है, और आप एसआईपी से आसानी से अपनी संपत्ति को बढ़ा सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार आप जितने लंबे समय तक एसआईपी के जरिए निवेश करेंगें आपका लाभ उतना ही अधिक होगा।

नौकरी लगते ही निवेश के चक्कर में न पड़ें, कुछ समय खुद पर निवेश करें

नई स्किल्स सीखें और घूमें और खुद की वैल्यू को बढ़ाएं, स्किल के दम पर अपनी सैलरी 3-4 गुना तक बढ़ा पाएंगे, इससे आप कुछ समय बाद बड़ा अमाउंट निवेश पाएंगे, 15 लाख के बजाय बना पाएंगे 1.5 करोड़ तक का कॉर्पस, मोटा निवेश करेंगे तो मोटा मुनाफा भी मिलेगा

मुनाफा

बिजनेस डेस्क

नौकरी लगते ही निवेश के चक्कर में न पड़ें। कुछ साल तक खुद पर निवेश करें और अपनी प्रतिभा को और निखारें। स्टार्टअप्स के इस दौर में आपको अक्सर देखने को मिलता होगा कि लोगों को कोई समस्या दिखी और उन्होंने उसका समाधान निकालते हुए स्टार्टअप शुरू कर दिया। तो शुरू के कुछ साल पैसे किसी स्कीम में लगाने के बजाय, खुद पर लगाएं और अपनी वैल्यू बढ़ाएं। इसके बाद आपके पास निवेश करने के लिए अधिक पैसे होंगे और आप अच्छा रिटर्न प्राप्त कर पाएंगे। लेकिन यह मानसिकता उन लोगों के लिए है जो ज्यादा अमाउंट निवेश करना चाहते हैं। हालांकि आपने अक्सर लोगों को यह कहते सुना होगा कि जितनी जल्दी निवेश शुरू करोगे, उतना ही ज्यादा रिटर्न मिलेगा। जब 22-23 साल की उम्र में किसी की नौकरी लगती है, तो उसे सबसे पहले यही सलाह दी जाती है कि तुरंत निवेश शुरू कर दो, भले ही वह छोटा सा क्यों ना हो। ये बात बिल्कुल सही है कि जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, कंपाउंडिंग की वजह से आपको उतना ही ज्यादा रिटर्न मिलेगा, लेकिन यह सिर्फ उन लोगों के लिए अच्छा है, जो बड़ा अमाउंट निवेश कर पा रहे हैं। मामूली निवेश करने वाले लोग अगर ये सोचेंगे, तो तगड़ा रिटर्न नहीं कमा पाएंगे।

इसे ऐसे समझें

मान लीजिए कि 22-23 साल की उम्र में करीब 25 हजार रुपये की सैलरी वाली आपकी नौकरी लग जाती है। अब इसमें से अगर आप हर महीने कम से कम 10-15 हजार रुपये निवेश कर पाएं, तब तो आपको कंपाउंडिंग का फायदा समझ आएगा, वरना आपका निवेश करना आपको फायदा नहीं देगा। दिल्ली-एनसीआर जैसे शहरों में 20-25 हजार रुपये तक को एक आदमी का घर का किराया, खाना-पीना, ऑफिस आना जाना और कपड़े आदि में ही खर्च हो जाता है। यानी इतनी कम सैलरी से अगर आप बचा भी सके तो मुश्किल से 1-2 हजार रुपये ही हर महीने निवेश कर पाएंगे। वहीं अगर अपने खर्चों को बहुत ज्यादा कम भी कर दिया तो भी 5 हजार रुपये से ज्यादा बचा पाना काफी मुश्किल है।

पांच साल में रिटर्न

अगर आप हर महीने 5 हजार रुपये निवेश करते हैं और साल दर साल उसे 10 फीसदी की दर से बढ़ाते हैं तो 5 साल में आप 4,67,755 रुपये का कॉर्पस बना लेंगे।

ऐसे करें तुलना

अगर आप करियर शुरू होने के बाद से ही 5 हजार रुपये हर महीने निवेश करते जाते और हर साल उसे 10 फीसदी बढ़ाते जाते तो आपके पास 10 साल में करीब 15 लाख रुपये का कॉर्पस जमा हो रहा था। बशर्ते आपको हर साल 10 फीसदी का औसतन रिटर्न मिलता। वहीं दूसरी ओर, अगर आप 5 साल खुद पर निवेश कर के अपनी सैलरी 4 गुना कर के निवेश शुरू करते हैं तो महज 5 साल में ही अपने कॉर्पस को 1.5 करोड़ रुपये तक का बना सकते हैं, यानी 10 गुना ज्यादा। तो करियर के शुरुआती दौर में भविष्य के लिए निवेश ना करें, अपने ऊपर निवेश करें, ताकि खुद के भविष्य को बेहतर बना सकें।

इसमें आपका कुल निवेश होगा 3,66,306 और उस पर आपको 1,01,449 का ब्याज मिलेगा। यह भी तब होगा तब आपको 10 फीसदी की दर से रिटर्न मिलेगा, जबकि तमाम बैंकों में एफडजी रेट 7-8 फीसदी से अधिक नहीं हैं। अगर आप इसी दर से 10 सालों तक निवेश करते हैं तो आपके पास 15,22,926 का कॉर्पस जमा हो जाएगा।

शुरूआत में यह करें

करियर के शुरुआती 5 सालों में आपको पैसे निवेश करने के बजाय उन्हें खुद पर इन्वेस्ट करना चाहिए। जो पैसे बचाकर आप निवेश करने की सोच रहे थे, उन पैसों को बचाकर कोई नई स्किल सीखें। इस बात की हर संभव कोशिश करें कि कैसे आप अपनी सैलरी को 4-5 गुना या उससे भी ज्यादा कर सकते हैं। आपको सिर्फ नई स्किल सीखने पर ही फोकस नहीं करना चाहिए, बल्कि घूमने-फिरने पर भी पैसे खर्च करने चाहिए। स्टार्टअप्स के इस दौर में आपको अक्सर देखने को मिलता होगा कि लोगों को कोई समस्या दिखी और उन्होंने उसका समाधान निकालते हुए स्टार्टअप शुरू कर दिया। तो शुरू के कुछ साल पैसे किसी स्कीम में लगाने के बजाय, खुद पर लगाएं और अपनी वैल्यू बढ़ाएं।

जमा हो जाएंगे 1.5 करोड़ रुपये

मान लीजिए कि आप 5 सालों तक अपने निवेश किए जाने वाले पैसों से कुछ स्किल सीखते हैं और उसके दम पर अपनी सैलरी 3-4 गुना तक बढ़ाने में कामयाब हो जाते हैं, जो बड़ी बात नहीं है। ऐसे में पहले आपकी जो सैलरी 25 हजार रुपये थी, अब वह 4 गुना तक बढ़कर 1 लाख रुपये हो सकती है। अब अगर 5 साल बाद आपके खर्चे 20 हजार रुपये महीने से बढ़कर 50 हजार रुपये महीना भी हो जाते हैं, तो भी आपके पास करीब 50 हजार रुपये बचेंगे। इस तरह अगर आप अगले 5 साल 50 हजार रुपये हर महीने 10 फीसदी बढ़ाते हुए निवेश करते हैं तो आपके पास करीब 1.52 करोड़ रुपये तक जमा हो सकते हैं।

आईडिया: शिक्षा पर अच्छी कमांड होनी चाहिए

होम ट्यूटर बनकर कमा सकते हैं हर महीने हजारों रुपये

- यह इनकम बढ़ाने का सबसे आसान तरीका
- आजकल बच्चों में ट्यूशन का बड़ा क्रेज
- इसके लिए किसी बड़े निवेश की जरूरत नहीं

जानकारी

बिजनेस डेस्क

यदि आप पढ़े लिखे हैं और बेरोजगार हैं तो आप होम ट्यूटर बनकर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। आप इस बिज़नस के माध्यम से हर माह अच्छे खासे रुपये कमा सकते हैं। यदि आप खुद का बिज़नस शुरू करना चाहते हैं तो होम ट्यूटर बनना आपके लिए बेहतरीन बिजनेस आईडिया हो सकता है। यह एक ऐसा कारोबार है, जिसमें कोई बड़ा निवेश करने की भी जरूरत नहीं होती। इसे आप गांव, कस्बे या शहर कहीं भी कर सकते हैं। हालांकि आपकी शिक्षा पर अच्छी कमांड होनी चाहिए। आप किसी भी शहर में हिंदी, अंग्रेजी, साइंस, मैथ, केमेस्ट्री और फिजिक्स जैसे सबजेक्ट पढ़ाकर आसानी से अपनी इनकम बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा छोटे बच्चों को भी ट्यूशन दे सकते हैं। आजकल बच्चों में ट्यूशन का बड़ा क्रेज देखने को मिल रहा है। ऐसे आप होम ट्यूटर बनकर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

क्या है होम ट्यूटर

होम ट्यूटर एक ऐसा बिज़नस है जो अपने घर से शुरू किया जा सकता है। यही नहीं यदि आपके पास किसी मोहल्ला या शहर में जगह है तो आप अपने खुद का इंस्टिट्यूट खोल सकते हैं। होम ट्यूटर बिज़नस के माध्यम से आप छोटे बच्चों से लेकर बड़े बच्चों तक की ट्यूशन क्लास शुरू कर सकते हैं, जिसमें आप कक्षा हिंदी, अंग्रेजी और गणित के साथ विज्ञान के बच्चों को अपने घर से पढ़ाना शुरू कर सकते हैं। यही नहीं आपको मालूम ही है कि आजकल टेक्नोलॉजी का जमाना है। आप अपने घर से ऑनलाइन होम ट्यूटर के माध्यम से भी बच्चों को पढ़ा सकते हैं। यदि आप किसी एक विषय में दक्ष हैं तो आप एक विषय के जरिए भी होम ट्यूटर बिज़नस को शुरू कर सकते हैं।

पहले जानें जरूरी जानकारी

होम ट्यूशन शुरू करने से पहले आपको इस बिज़नस की योजना को तैयार करना होगा। क्योंकि कोई भी बिज़नस हो बिना योजना के शुरू नहीं किया जा सकता। उसके बाद बच्चों को और उनके पेरेंट्स को होम ट्यूशन के बारे में जानकारी देने के लिए आपको अपने मोहल्ले और शहर में प्रचार प्रसार करना होगा, ताकि बच्चे आपसे ज्यादा से ज्यादा जुड़ सकें। होम ट्यूशन में अधिक से अधिक बच्चों को जोड़ने के लिए आप ऑनलाइन सोशल मीडिया इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप का तरीका अपना सकते हैं। यही नहीं आप अपने मोहल्ले में बच्चों को आकर्षित करने के लिए पेम्पलेट का भी प्रयोग कर सकते हैं।

शुरू में बच्चों को छूट दें

इस बिजनस को शुरू करने से पहले बच्चों को फीस में छूट देनी होगी, ताकि बच्चे आपसे ज्यादा से ज्यादा जुड़ सकें। इसके अलावा, यदि आप अपने दक्ष विषय के अलावा दूसरे विषयों की भी होम ट्यूशन को शुरू करना चाहते हैं, तो आपके पास उन विषयों में दक्ष टीचर भी होने आवश्यक है।

कितनी हो सकती है कमाई

होम ट्यूशन के जरिए आप हर माह हजारों रुपये तक की कमाई कर सकते हैं। इसके अलावा यदि आपके पास जितने ज्यादा बच्चे होंगे उतनी कमाई आपकी दुगनी होगी। एक उदाहरण के तौर पर समझे तो आप एक बच्चे से हजार रुपये हर महीने के लेते हैं और आपके पास 50 बच्चे भी हैं तो इस अनुसार आप हर माह 50,000 रुपये तक कमा सकते हैं।

पहले जानें जरूरी जानकारी

होम ट्यूशन के फायदे

एक ही छात्र पर होता ध्यान : अभिभावकों द्वारा होम ट्यूशन लगाने का एक सबसे बड़ा कारण यह है कि स्कूलों में एक क्लास में कई छात्र होते हैं और शिक्षक प्रत्येक छात्र पर पूरा ध्यान नहीं दे पाते। होम ट्यूशन में एक शिक्षक का ध्यान एक छात्र पर रहता है और वो अपना पूरा ध्यान केंद्रित करके एक छात्र को अच्छी तरह सब समझा पाते हैं।

अच्छे शिक्षक मिलते हैं : होम ट्यूशन में आप अपने अनुसार अनुभवी शिक्षकों से अपने बच्चों को पढ़ा सकते हैं। कई स्कूलों में अनुभवी शिक्षक नहीं होते हैं। वहीं होम ट्यूशन देने वाले शिक्षकों को कई सालों का अनुभव होता है। आप अपनी क्षमता के अनुसार होम ट्यूशन लगा सकते हैं। आप अच्छे से अच्छे शिक्षक को घर पर अपने बच्चे को पढ़ाने के लिए बुला सकते हैं।

अधिक सीखने को मिलता है : होम ट्यूशन में छात्र अपनी क्षमता अनुसार अधिक भी सीख सकते हैं। स्कूलों में सभी बच्चों के अनुसार पढ़ाया जाता है। वहीं अगर आपका बच्चा अधिक सीखने की क्षमता रखता है तो अपने अनुसार पढ़कर सिलेबस को जल्दी खत्म करा सकता है।

छात्रों को मिलता है अच्छा माहौल : होम ट्यूशन से छात्रों को पढ़ने का अच्छा माहौल मिलता है। वे अपने अनुसार पढ़ाई कर सकते हैं। स्कूलों में क्लास में अधिक छात्रों के होने के कारण छात्र खुलकर शिक्षकों से सवाल नहीं पूछे पाते हैं। वहीं होम ट्यूशन में छात्र अपनी सुविधा के अनुसार शिक्षकों से आराम से सावल भी कर पाते हैं और अपने डाउट्स भी क्लीयर कर पाते हैं।

खबर संक्षेप

ट्रेन से कटकर बुजुर्ग महिला ने दी जान

बहादुरगढ़। गांव रोहद में एक बुजुर्ग महिला का शव रेलवे ट्रैक पर पाया गया। महिला द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई है। मृतका की पहचान करीब 62 वर्षीय नारायणी के रूप में हुई है। गांव रोहद की रहने वाली थी। शनिवार की सुबह घर से निकली थी। गांव के निकट रेलवे लाइनों पर उसका शव पाया गया। सूचना पाकर जीआरपी टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक तौर पर महिला द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई है। चर्चा है कि महिला के पांव में तकलीफ भी। संभवतः इसी वजह से उसने यह कदम उठाया। जांच अधिकारी राकेश कुमार का कहना है कि शव परिजनों को सौंप दिया है।

कपड़े की दुकान से सूट चुरा ले गए चोर

बहादुरगढ़। गांव सांखोल में स्थित एक कपड़े की दुकान में चोरी हो गई। बाइक पर सवार होकर आए चोर दुकान में से काफी सूट चुरा ले गए। वारदात गत 9 मई की रात को हुई है। अगले दिन जब दुकान मालिक आई तो उसे वारदात का पता चला। फिर पुलिस को शिकायत दी गई। सुशीला का कहना है कि उसकी दुकान से 45 सूट चोरी हुए है। जब कैमरे चेक किए तो उसमें बाइक सवार दो लड़के सूट कपड़ों की गठड़ी ले जाते हुए दिखाई दिए। उन्हीं ने यह वारदात की है। गांव सांखोल में स्थित एक कपड़े की दुकान में चोरी हो गई।आरोपियों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तार किए जाएं। शिकायत के आधार पर सेक्टर-6 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वाटिका के बाहर से गाड़ी चोरी

बहादुरगढ़। शहर में वाहनों की चोरी नहीं थम रही। अब एक वाटिका के बाहर से गाड़ी चोरी हो गई। वाहन मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दी है। बालोर के निवासी कृष्ण का कहना है कि गत दस मई की शाम को वह बहादुरगढ़ में आयोजित एक शादी समारोह में आया था। वाटिका के बाहर गाड़ी खड़ी कर दी। कुछ घंटे बाद बाहर निकला तो गाड़ी नहीं मिली। अपने स्तर पर खूब तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया है। पुलिस तलाशने में मदद करे। इस शिकायत पर सिटी थाना पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भोगीपुर पावर हाउस से करीब 20 घंटे बाद बिजली आपूर्ति बहाल

तेज आंधी के साथ बारिश ने गर्मी से दिलाई राहत,बिजली आपूर्ति बाधित

सड़क पर पेड़ गिरने की वजह से रास्ते बंद, चालक रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गन्नौर

शुक्रवार की शाम को अचानक मौसम ने करवट ली और बादल छा गए। रात को तेज आंधी, गरजना व चमक के साथ वर्षा हुई। तेज आंधी की चलने की वजह से शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित हुई। बिजली आपूर्ति लाइन की कई जगह पर 133 केवी आपूर्ति लाईन की तार टूट गई। वहीं भोगीपुर पावर हाउस से जुड़े गांवों में बिजली आपूर्ति बंद रहने से लोगों को करीब 20 घंटे बाद बिजली आपूर्ति बहाल हुई। तेज आंधी के कारण गन्नौर के विभिन्न गांवों को जाने वाले सड़क मार्गों पर पेड़ गिरने की वजह से रास्ते भी बंद हो गए। वन विभाग के अधिकारियों ने सूचना मिलने के बाद गन्नौर से भोगीपुर, बेगा, खेड़ी गुज्जर सहित आधा दर्जन गांवों को जाने वाले रास्ते से पेड़ को हटवाकर रास्ते को खुलवाया। चालकों को परेशानी हुई। दूसरे रास्तों से होकर गुजरना पड़ा। वही बड़ी औद्योगिक क्षेत्र में आधा दर्जन कंपनी के शैड आंधी में उड़ने की वजह से पानी की टंकी टूट गई और कंपनी संचालकों को हजारों का नुकसान हुआ। बरसात के बाद से लोगों को गर्मी से राहत मिली, तापमान में गिरावट आई।

गन्नौर। राजलू गढ़ी- गन्नौर सड़क मार्ग पर पेड़ टूटने के कारण बंद पड़ा वाहनों का आवागमन। फोटो :हरिभूमि

किसानों को होगा फायदा : रणबीर

पूर्व खंड कृषि अधिकारी डा. रणबीर ने बताया कि इस समय बारिश से किसानों को फायदा होगा। जिस क्षेत्र में गेंहू की फसल कटान के बाद निकाली नही है। उक्त क्षेत्र में बरसात से नुकसान होगा। वही लोगों को गर्मी से राहत तो मिलेगी।

बारिश की भेंट चढ़ा प्रथम भारत केसरी कुश्ती दंगल

गोहाना। गोहाना-महम मार्ग पर स्थित भंडेरी में शुक्रवार की देर शाम को प्रथम भारत केसरी दंगल तेज तूफान और बारिश की भेंट चढ़ गया। एक लाख के प्रथम पुरस्कार वाली प्रथम कुश्ती सहित प्रमुख कुश्तियों का आयोजन हो ही नहीं सका। शुक्रवार को भंडेरी में देहदान के संकल्प पत्र भरने के साथ रक्तदान शिविर तो सम्पन्न हो गए, पर आयोजन का मुख्य आकर्षण प्रथम भारत केसरी दंगल तब अस्त-व्यस्त हो गया जब अचानक तेज हवाएं चलने लगीं तथा वर्षा बरसने लगी। प्रथम पुरस्कार की भारत केसरी कुश्ती के लिए एक लाख के कैश अवार्ड के साथ मुर्रा नस्ल की एक भैंस और एक पीपा शुद्ध देसी घी घोषित किए गए थे। लेकिन द्वितीय पुरस्कार में एक चांदी की गदा, 51 हजार रुपए कैश और एक पीपा शुद्ध देसी घी, तृतीय पुरस्कार में 51 हजार रुपए का कैश और एक पीपा देसी घी की ये दोनों कुश्तियां भी खराब मौसम के चलते अधर में लटक गईं।

महिला विवि में इंडोर गेम्स स्टेडियम में छत ढही

■ शुक्रवार की रात को आंधी के साथ आई वर्षा के दौरान हादसा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गोहाना

शुक्रवार रात को आंधी के साथ आई वर्षा से गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में करोड़ों रुपये की लागत से तैयार स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के इंडोर गेम्स स्टेडियम की टिन शेड की छत ढह गई। रात के समय यहां कोई नहीं था, जिससे जानमाल का नुकसान होने से बच गया। दूसरी तरफ आंधी में क्षेत्र में 800 से अधिक टूट गए। बिजली निगम की विभिन्न लाइनों पर लगभग 150 से अधिक खंभे टूट गए और कई ट्रांसफार्मर गिर गए। बिजली निगम द्वारा क्षतिग्रस्त लाइनों का सर्वे करवाया जा रहा है, जिसके नुकसान की सही जानकारी रविवार तक मिल पाएगी। महिला विश्वविद्यालय के खेल विभाग के स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में इंडोर खेलों के लिए बड़ा स्टेडियम बनाया गया है। यहां पर कई बार प्रतियोगिताएं होती हैं और छात्राएं खेलों का अभ्यास भी करती हैं। शुक्रवार रात को आई आंधी में इंडोर स्टेडियम की टिन शेड की छत ढह गई। टिन शेड में लगे लोहे के मोटे पाइप भी मुड़ गए। शनिवार को जब कर्मचारी स्टेडियम में गए तो वहां का मंजर देखकर हैरान रह गए। आंधी में विभिन्न मार्गों, रजवाहों व माइनरों के साथ लगाए गए पेड़ टूट गए। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार 800 से अधिक पेड़ टूटने की सूचना है। कर्मचारी सर्वे कर रहे हैं। दूसरी तरफ बिजली निगम के विभिन्न सब डिवीजन में 150 से अधिक खंभे टूट गए और कई ट्रांसफार्मर गिर गए।

गोहाना। गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार का महत्व समझाते हुए आंगनवाड़ी वर्कर्स। फोटो : हरिभूमि

गर्भवती महिला को पौष्टिक आहार की अधिक जरूरत

जागरुकता रैली निकाली

■ जब मां स्वस्थ होगी तभी गर्भ में पल रहा शिशु होगा तंदुरुस्त

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गोहाना

खंड कार्यालय कथूरा में शनिवार को आंगनवाड़ी वर्कर्स की बैठक ली गई। बैठक में वर्कर्स को गर्भवती महिलाओं के खानपान बारे प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद आंगनवाड़ी वर्कर्स ने माता का स्वास्थ्य विषय पर जागरूकता रैली निकाली। रैली में वर्कर्स ने गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार के महत्व बारे जागरूक किया।

डब्ल्यूसीडीपीओ निर्मला देवी ने कहा कि गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार की अधिक जरूरत होती है। पौष्टिक आहार गर्भवती महिलाओं को उनके गर्भ में पल रहे शिशु के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। गर्भवती महिलाएं जब पौष्टिक आहार का सेवन करेंगी तभी वे स्वस्थ रहेंगी और उनके गर्भ में पल रहा शिशु हष्ट पुष्ट होगा। गर्भवती महिलाएं अच्छे स्वास्थ्य के लिए अपने खाने में फल और हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करें और शिशु के जन्म के बाद छह महीने तक उसे अपना ही दूध पिलाएं। कार्यक्रम के लिए संयोजन सुपरवाइजर सुनीता और पिंकी का रहा। इस अवसर पर काफी संख्या में आंगनवाड़ी वर्कर्स उपस्थित रहीं।

एनडीएमसी ने मनाया नवयुग स्कूलों का स्वर्ण जयंती समारोह

नई दिल्ली। नवयुग स्कूल के सभी छात्र हमारे समाज और राष्ट्र के रत्न हैं। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के सरोजिनी नगर स्थित नवयुग स्कूल में एक भव्य शो में नवयुग स्कूलों की स्वर्ण जयंती कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नवयुग स्कूल के पूर्व छात्र और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक प्रवीण सूद ने उक्त संबोधन दिया। इस दौरान निदेशक प्रवीण सूद, आईपीएस ने नवयुग स्कूल की स्वर्ण जयंती के लिए पुराने और मौजूदा छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि न केवल नवयुग स्कूल की शिक्षा बल्कि इसके मूल्यों, संस्कार पोषण प्रणाली, नैतिकता ने हमें इंसान बनाया है और आज हम सभी को अपने स्कूल के दिनों पर गर्व है।

केजरीवाल की रिहाई पर लड्डू बांटकर खुशी मनाई

ढोल नगाड़ों पर थिरकते आप कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सोनीपत

आम आदमी पार्टी के लोकसभा अध्यक्ष देवेंद्र गौतम ने कहा कि आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को उच्चतम न्यायालय ने अंतरिम जमानत देकर देश की जनता का न्यायिक प्रणाली में विश्वास बढ़ाया है। देवेंद्र गौतम अग्रसेन चौक पर स्थित ब्लॉक कार्यालय पर कार्यकर्ताओं के साथ अपने नेता की रिहाई पर खुशी जाहिर कर रहे थे। ढोल नगाड़े पर थिरकते हुए आप कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को लड्डू खिलाए। आप के सोनीपत लोकसभा अध्यक्ष देवेन्द्र गौतम ने कहा की उच्चतम न्यायालय से केजरीवाल को अंतरिम जमानत मिलने के बाद से देश में मोदी के तानाशाह राज के अंत की शुरूआत हो चुकी है। केंद्र से बीजेपी सरकार जनता का विश्वास खो चुकी है, बीजेपी की विदाई तय है। आने वाले समय में केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार पूर्ण बहुमत के साथ बनने जा रही है। देवेन्द्र गौतम ने कहा कि मोदी ने देश में नफरत को फैलाया है जिसे अब जनता आज समझ चुकी है। इस मौके पर आम आदमी पार्टी शिक्षा सैल जिलाध्यक्ष मास्टर सतनारायण अंतिल, सोनीपत मीडिया प्रभारी अमरदत्त भारद्वाज, जिला सेक्रेटरी आप सुनील खेड़ी, वार्ड अध्यक्ष दीपक चुघ, योगेश पाल, शेर मुहम्मद, अशोक, हिमांशु, युवा नेता लक्की अंतिल, हेमंत, अभय आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। लड्डू बांटकर खुशी मनाते आम आदमी पार्टी नेता, पदाधिकारी एवं अन्य। फोटो:हरिभूमि

दिल्ली के सीएम को जमानत मिलने पर मनाई खुशी

■ सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलना लोकतंत्र की जीत : सतनारायण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ राई

आम आदमी पार्टी के संस्थापक व दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत मिलने की खुशी में आम आदमी पार्टी कार्यालय (बहालगढ़ चौक)पर ढोल बजाकर व मिठाई बांटकर जश्न मनाया गया।

मास्टर सतनारायण आंतिल (एजुकेशन सेल डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट आप)ने लड्डू बांटकर खुशी मनाई। मास्टर सतनारायण आंतिल ने कहा कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को जमानत मिलने से गठबंधन को काफी फायदा होगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री स्टार प्रचारक हैं और लोकसभा चुनाव में जमकर प्रचार करेंगे जिससे गठबंधन की भारी जीत होगी। आंतिल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलना लोकतंत्र की जीत है और आने वाले दिनों मे देश की जनता भाजपा को इसका जवाब देने का काम करेगी।

मास्टर सतनारायण आंतिल लड्डू बाटने के बाद कार्यकर्ताओं के साथ।

नबी करीम का मामला: विदेशी महिला का फोन चुराने वाला नाबालिग पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

दक्षिणी नई दिल्ली। सर्बिया से दिल्ली घूमने आई एक विदेशी महिला का मोबाइल चुराने वाला पुलिस गिरफ्त में है। नबी करीम इलाके में हुई इस घटना का आरोपी नाबालिग बताया गया है। इसके पास से चोरी का मोबाइल भी बरामद हो गया है।

डीसीपी एम हर्षवर्धन के अनुसार नौ मई को मोबाइल फोन चोरी की शिकायत नबी करीम थाने में दर्ज करायी गई थी। पीड़ित महिला ने बताया कि वह टूरिस्ट वीजा पर अपनी दोस्तों के साथ सर्बिया से भारत आई थी। गोवा और राजस्थान घूमने के बाद वे दो तीन पहले ही दिल्ली पहुंची थी। नबी करीम के होटल में रूकी हुई थी। नबी करीम इलाके में हुई इस घटना का आरोपी नाबालिग बताया गया है। इसके पास से चोरी का मोबाइल भी बरामद हो गया है। दोपहर करीब दो बजे वह सड़क किनारे टहल रही थी, तभी किसी ने उसका मोबाइल फोन चोरी कर लिया। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास नबी करीम और पहाड़गंज एरिया में 75 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे चैक किए और एक आरोपी की पहचान कर ली गई। पुलिस उसके घर पहुंची तो वह गायब मिला। घर के आसपास पुलिस ने ट्रैप लगाया और शाम करीब साढ़े सात बजे वह जब घर पहुंचा तो उसे दबोच लिया गया। उसके पास से चोरी का मोबाइल फोन बरामद हो गया है।

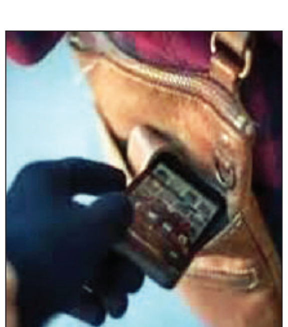

डीडीए का ओपन टेबल टेनिस टूर्नामेंट 18 से

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अपने सिरी फोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सभी के लिए ओपन टेबल टेनिस टूर्नामेंट की घोषणा की है। इस बारे में डीडीए के एक अधिकारी ने बताया कि प्राधिकरण समय समय पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रकार के आयोजन करता रहा है। इसी कड़ी में अब डीडीए सिरी फोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स सभी के लिए ओपन टेबल टेनिस टूर्नामेंट लेकर आया है। अधिकारी बताया टूर्नामेंट 18 मई 2024 को होगा, जिसके लिए डीडीए ने 16 मई 2024 तक पंजीकरण खुला रखा है। पंजीकरण करने के लिए कॉम्प्लेक्स कार्यालय से संपर्क करके प्रक्रिया पूरी करना होगी। विवरण के लिए दूरभाष से व वेबसाइट पर जाकर पूरी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। अधिकारी ने बताया कि प्राधिकरण चाहता है कि खिलाड़ी अपने कौशल को निखारें और हमारे प्रयास में शामिल हों।

खेल विभाग के डिप्टी डायरेक्टर ने किया प्रताप स्कूल का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ खरखौदा

खेल विभाग के डिप्टी डायरेक्टर एवं ओलम्पियन गिरिराज सिंह ने फुटबाल कोच सुनील कुमार, एथलेटिक्स कोच मनोज कुमार व तैराकी कोच विनोद कुमार सहित प्रताप सिंह मैमोरियल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दौरा किया और विद्यालय में चल रही खेल गतिविधियों का निरीक्षण किया। द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया खेल निदेशक प्रताप स्कूल ने डिप्टी डायरेक्टर व प्रशिक्षकों का स्वागत किया और सभी खेलों की विस्तृत जानकारी उन्हें दी। इस अवसर प्रताप द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया ने आश्वासन देते हुए कहा कि प्रताप विद्यालय के विद्यार्थी व खिलाड़ी भविष्य में और भी ज्यादा मेहनत करके प्रदेश व देश का मान-सम्मान बढ़ाएंगे।

खरखौदा। खेल गतिविधियों का निरीक्षण करते डिप्टी डायरेक्टर।

पश्चिम विहार में चल रहा था फर्जी कॉल सेंटर, एक महिला समेत 12 गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी जिले की पश्चिम विहार पुलिस ने इलाके में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है। एक महिला समेत कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनके निशाने पर अमेरिका के नागरिक होते थे। कॉल सेंटर से 16 लैपटॉप, 13 मोबाइल फोन, 12 लैपटॉप चार्जर, नौ हेडफोन और दो वाईफाई राउटर जब्त किए गये हैं। आरोपियों के नाम साहिल चटवाल (कॉल सेंटर मालिक), नवीन डबास, रविंदर, पीयूष, गौतम, आकाश, जफर शाह, सुभाष, लवीश, ऋषभ और शरद है। डीसीपी आउटर जिम्मी चिरम के अनुसार पश्चिम विहार इलाके में चल रहे इस फर्जी कॉल सेंटर के बारे में जानकारी मिली थी, जिसमें बताया गया कि वहां काम कर रहे लोग नेट कॉलिंग के जरिए बीएसओडी एप्स, गूगल वॉयस, ब्राउजर लॉगिंग और माइक्रो सिप आदि के माध्यम से अमेरिका के लोगों से ठगी करते हैं।

राष्ट्रपति कोटे से राज्यसभा सीट दिलाने का झांसा देकर दो करोड़ रुपये की ठगी

■ किशनगढ़ का मामला, दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

राष्ट्रपति कोटे से राज्यसभा सीट दिलाने का झांसा देकर दो करोड़ रुपए की ठगी करने वाले दो जालसाजों को साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की किशनगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों में एक खुद को राष्ट्रपति का प्रोटोकॉल अधिकारी बताता था। इनसे ठगी कर रकम से खरीदी गई प्रॉपर्टी के कागजात और जाली दस्तावेज बरामद हुये हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों के नाम सेक्टर 36, नोएडा यूपी निवासी नवीन कुमार सिंह (43) और नागौर, राजस्थान निवासी नानक दास (48) है। 25 अप्रैल को किशनगढ़ थाने को पीसीआर कॉल के जरिए एक जालसाज को पकड़े जाने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची जहां पीड़ित नरेन्द्र सिंह मिले। उन्होंने नवीन कुमार सिंह को पेश करते हुए आरोप लगाया कि पिछले साल अगस्त में उनकी मुलाकात नानक दास के जरिए उससे हुई थी। नवीन सिंह ने खुद को राष्ट्रपति का प्रोटोकॉल अधिकारी बताया था। दोनों लोगों ने राष्ट्रपति कोटे के जरिए राज्यसभा सीट दिलाने में मदद करने का भरोसा दिया और इस एवज में उनसे दो करोड़ रुपए ले लिए। मामले की शिकायत पर किशनगढ़ थाने में धोखाधड़ी, साजिश समेत अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पूछताछ के दौरान नवीन कुमार सिंह ने धोखाधड़ी में लिप्त होना स्वीकार लिया था। उसने खुलासा किया करण निवासी लक्ष्मी नगर की मदद से उन्होंने राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी किए गए दो जाली दस्तावेज तैयार किए थे। ये पीड़ित का विश्वास जीतने के लिए उन्हें भेजे गए थे। जिसके बाद ही उन्हें रुपए मिले थे। सवा करोड़ आईसीआईसीआई बैंक अकाउंट में और 75 लाख रुपए नानक दास को मिले थे।

कार्यक्रम

गायत्री विद्या पीठ में मदर डे सेलिब्रेट किया

मदर डे के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों में माताओं का मनोरंजन करवाया

म्यूजिकल चेयर में संतोष प्रथम, स्वाति द्वितीय व काजल ने तीसरा स्थान पाया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गन्नौर

गायत्री विद्या पीठ बसंत बिहार गन्नौर में मदर डे सेलिब्रेट किया गया। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद की पदाधिकारी मनीषा जैन, नेहा त्यागी, काजल सिंघल, खुवी राम जैन, नवज्योति शिक्षा सदन खुबड़ू की मुख्याध्यापिका आरती ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम में माताओं के लिए टांग ट्विस्टर, मेक ए टावर विद ग्लास, म्यूजिकल चेयर, गारलैंड विवरस आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए। म्यूजिकल चेयर में संतोष ने प्रथम, स्वाति ने दूसरा और काजल ने तीसरा स्थान हासिल किया। मेक ए टावर विद ग्लास में सोनिया ने प्रथम, रेखा ने दूसरा स्थान और रजनी ने तीसरा स्थान हासिल किया। भारत विकास परिषद की महिला संयोजिका मनीषा जैन ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चों के साथ साथ उनकी माताओं का भी उत्साह बढ़ता है और घर के व्यवस्थ समय से इन महिलाओं को थोड़ा समय अपने लिए भी निकल पाते है। स्कूल संचालक राजेन्द्र कौशिक एवं मुख्य अध्यापिका शकुंतला कौशिक ने बताया कि गायत्री विद्या पीठ में छात्रों को शिक्षा के साथ संस्कार दिए जाते है। इस अवसर पर शिक्षक सुमन, दीपक, सीमा, पूजा,आयुसी, स्कूल कोऑर्डिनेटर प्रिया कौशिक सहित 76 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की अभिभावक माताओं ने कार्यक्रम की खूब प्रशंसा की।

गन्नौर। प्रतिभागी माताओं के सम्मानित करते मुख्याध्यापिका शकुंतला कौशिक। फोटो:हरिभूमि

खबर संक्षेप

समारोह में एक मां को सम्मानित करते हुए प्राचार्या उषा कौशिक।

ईश्वर से भी बढ़कर है मां का दर्जा : अनिल मलिक

गोहाना। गोहाना-सोनीपत मार्ग स्थित ईश्वर इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को मातृ दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। समारोह में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी माताओं को नमन किया। समारोह की अध्यक्षता प्राचार्या उषा कौशिक ने की। समारोह का शुभारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ हुआ। मुख्य वक्ता स्कूल के एमडी अनिल मलिक ने कहा कि दुनिया में एक मां ही है जो अपने बच्चों से सबसे अधिक प्यार करती है और उनके लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देती है। मां का दर्जा ईश्वर से भी बड़ा है। अपने माता-पिता का हमेशा आदर और सम्मान करें। हमारे माता-पिता हमारे जीवन क आधार हैं। समारोह को आकर्षक बनाने के लिए विद्यार्थियों द्वारा पारंपरिक खेल भी खेले गए।

जिला निर्वाचन अधिकारी के नेतृत्व में पहुंचे अधिकारी

मतगणना की तैयारियों को लेकर किया बिट्स मोहाना का दौरा

स्ट्रॉन्ग रूम एवं मतगणना केंद्रों में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत लोकसभा आम चुनाव के लिए मतगणना प्रक्रिया का आयोजन बिट्स मोहाना में किया जाएगा, जिसकी तैयारियों को जायजा लेने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने अधिकारियों के साथ मिलकर बिट्स मोहाना का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बिट्स मोहाना में जिला की सभी छः विधानसभाओं की मतगणना के लिए बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम एवं मतगणना केन्द्रों में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने सबसे पहले बैल्ट पेपर की गिनती के लिए बनाए गए मतगणना केन्द्र में पहुंचकर वहां की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस हॉल में सुरक्षा को देखते हुए 06 कैमरे लगवाएं जाएं ताकि यहां की हर स्थिति पर नजर बनाई जा सके। इसके बाद उन्होंने मतगणना के लिए सभी विधानसभाओं के मतगणना केन्द्रों और स्ट्रॉन्ग रूम का निरीक्षण करते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश पर सभी स्टोंग रूम में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करवाएं। उन्होंने सुरक्षा के दृष्टिगत सभी स्ट्रोंग रूम के बाहर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों और बैरीकेटिंग को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्ट्रोंग रूम में एंट्री केवल एक ही मार्ग से होनी चाहिए। सभी खिड़कियों एवं अनावश्यक दरवाजों को इंटों की दीवारों से बंद किया जाए। इस मौके पर एसडीएम अमित कुमार, डीआरओ हरिओम अत्री, निर्वाचन तहसीलदार दिनेश शर्मा, पीडब्ल्यूडी एक्सईएन प्रशांत कौशिक, डीआईओ विशाल सैनी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सोनीपत। सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए उपायुक्त साथ में अन्य अधिकारीगण।

13, 14 व 15 मई को पोलिंग पार्टियों के लिए होगी दूसरी पायलट रिहर्सल

लोकसभा आम चुनाव-2024 के मद्देनजर 25 मई को होने वाले मतदान के लिए ड्यूटी देने पोलिंग पार्टियों के लिए 13, 14 व 15 मई को दूसरी पायलट रिहर्सल का आयोजन किया जाएगा। पायलट रिहर्सल के दौरान मास्टर ट्रेनरों द्वारा सभी पोलिंग पार्टियों को मतदान की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी कि आपको किस प्रकार मतदान प्रक्रिया के कार्य को पूरा करवाना है। उन्होंने बताया कि इस दौरान मतदान के दिन भारतीय निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पोलिंग पार्टियों द्वारा भरे जाने वाले सभी फार्मों के बारे में बताया जाएगा कि यह फार्म किस प्रकार भरने है। इसके अलावा सभी पीओ अधिकारियों को यह भी जानकारी दी जाएगी कि ईवीएम मशीन किस प्रकार कार्य करेंगी और आपको किन-किन बातों का ध्यान रखना है।

बूथ वाइज करवाएं मार्किंग: डॉ. मनोज

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि स्ट्रॉन्ग रूम में मशीनों को रखने के लिए बूथ वाईज मार्किंग करवाएं ताकि मशीनों को यहां रखने में आसानी हो सके। इसके बाद उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन सभी मतगणना केन्द्रों में बिजली की उचित व्यवस्था होनी चाहिए ताकि कैमरे 24 घण्टे चलते रहे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि मतदान के बाद जब इन ईवीएम मशीनों को यहां रखा जाएगा तो यहां सभी पार्टियों के कैंडेट के लिए बैठने के लिए टेन्ट की व्यवस्था करवाएं और डीआईओ उसमें एक एलसीडी लगवाएं ताकि कैमरों के माध्यम से सभी स्ट्रॉन्ग रूम की तस्वीर उस एलसीडी पर चलती रहे। इसके अलावा यहां पर विधानसभा वाईज बनाए गए मतगणना केन्द्रों पर पहुंचने के लिए अलग-अगल साईन बोर्ड लगवाएं।

देश की संवैधानिक संस्थाओं को बचाना जरूरी: सतपाल ब्रह्मचारी

- लोकसभा प्रत्याशी सतपाल ब्रह्मचारी और कांग्रेस के विधायकों, पूर्व विधायकों ने चलाया जनसंपर्क अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कांग्रेस पार्टी के सोनीपत लोकसभा से प्रत्याशी सतपाल ब्रह्मचारी ने शनिवार को सोनीपत लोकसभा क्षेत्र में दर्जन भर से अधिक गांवों में जनसभा कर वोटकी अपील की। सतपाल ब्रह्मचारी ने बताया कि लोगों को कांग्रेस की न्याय गारंटी पर पूरा भरोसा है, जिससे स्पष्ट है कि आने वाला समय कांग्रेस का है और पार्टी लोकसभा चुनावों में बेहतरीन प्रदर्शन करेगी। राई विधानसभा में पूर्व विधायक जयतीर्थ दहिया, खरखौदा में विधायक जयवीर वाल्मीकि, गन्नौर हलके में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, गोहाना में विधायक जगबीर मलिक, सोनीपत में विधायक सुरेंद्र पंवार, बरोदा में विधायक इंदुराज नरवाल, सोनीपत शहर में मेयर निखिल मदान ने जनसंपर्क अभियान चलाते हुए कांग्रेस के पक्ष में मतदान की अपील की। इसके अलावा पूर्व सांसाद धर्मपाल मलिक, पूर्व विधायक पदम सिंह दहिया, सुखबीर फरमाणा, पवन गर्ग, हरिप्रकाश मंडल, भलेराम जांगड़ा, कमल हसीजा, सुरेंद्र शर्मा, सुरेंद्र दहिया, सुरेंद्र छिक्कारा, सुरेश त्यागी, बिजेंदर आंतिल, जसपाल खेवड़ा, संजय खेवड़ा, जयभगवान आंतिल, सुनील कटारिया, अनूप मलिक आदि ने भी कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार किया।

सोनीपत। जनसंपर्क अभियान के दौरान कांग्रेस लोकसभा प्रत्याशी सतपाल ब्रह्मचारी, विधायक सुरेंद्र पंवार, मेयर निखिल मदान एवं अन्य।

भाजपा नेता वीर कुमार यादव का स्वागत करते हुए प्रवीण वर्मा एवं अन्य।

भाजपा नेता का स्वागत

सोनीपत। भाजपा वरिष्ठ नेता बाबू वीर कुमार यादव शनिवार को सोनीपत पहुंचें। जहां पर वर्मा पैथ लैब में उनका निदेशक प्रवीण कुमार वर्मा एवं स्टाफ द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर आरपीएस रोहतक के चेयरमैन श्रीभगवान यादव, निदेशक विनोद कुमार, मेडिकल लेबोरेटरी साइंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

वोटर क्यू एप बताएगी कि मतदान केंद्र पर लगी है कितनी लंबी लाइन : नागर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

एसडीएम एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी निर्मल नागर ने क्षेत्र के बीएलओ से कहा कि वे अपने साथ अपडेटिड मतदाता सूची रखें ताकि मतदान करने के लिए आने वाले नागरिकों को कोई परेशानी न आए। साथ ही अपने संबंधित पोलिंग बूथों का भी निरीक्षण करते रहें। यदि पोलिंग बूथों में किसी भी प्रकार की कोई कमी है तो उसे समय रहते दुरुस्त करवाएं। उन्होंने कड़े निर्देश दिए कि चुनाव को लेकर किसी भी प्रकार की कौताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा लापरवाही करने वाले के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने सभी बीएलओ से कहा कि वे वोटर्स इन क्यू एप चलाने का अच्छी तरह से प्रशिक्षण लें। मतदान के दिन सभी बीएलओ हर आधा घंटे बाद मतदान करने के लिए पहुंचे मतदाताओं की संख्या को वोटर्स इन क्यू एप पर अपडेट करेंगे। इसमें वोट डालने के लिए लाइन में लगे लोगों का डाटा भी अपडेट किया जा सकेगा।

जिले में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन कर निपटाए मुकदमे

- 13 हजार 65 वादा का निपटारा, 3 करोड़ 79 लाख 22 हजार 32 रुपये की राशि का निपटान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालतों का आयोजन किया गया। सोनीपत में जिला स्तर पर, गोहाना, गन्नौर व खरखौदा में उपमंडल स्तर पर लोक अदालतें आयोजित की गई। इनमें कुल 13 हजार 65 मुकद्दमों का निपटारा करते हुए 3 करोड़ 79 लाख 22 हजार 32 रुपये की राशि का निपटान किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना क्लेम मामलों के 06 केसों का निपटारा किया गया, जिसमें वादियों का 44 लाख की समझौता राशि का निपटारा किया गया। इसके अलावा मोटर व्हीकल से संबंधित 8,671 चालानों का निपटारा किया गया व 54 लाख 73 हजार 350 रुपये की राशि वसूली गई। फौजदारी के 108 केसों का निपटान किया गया। 215 सिविल केस, 20 वैवाहिक विवाद संबंधी, 99 चेक बाउंस संबंधित केस का निपटान किया गया व 2 करोड़ 34 लाख 7 हजार 82 रुपये की राशि का निस्तारण किया गया। डिस्ट्रक्टि एडीआर सेंटर, सोनीपत में स्थाई लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न बैंकों के बैंक रिकवरी से संबंधित 22 केसों का निपटान किया गया। इसके अलावा पुलिस विभाग (कमिशनरी कार्यालय) व जिला राजस्व अधिकारी, तहसीलदार, सोनीपत, गोहाना, गनौर, खरखौदा, खानपुर व राई की बेंचो द्वारा राजस्व और अन्य सहायक मामलों सम्बन्धी मामलों का निपटान किया गया।

सोनीपत। लोक अदालत के दौरान उपस्थित न्यायधीश सुनवाई करते हुए।

पुस्तक मेला से जुटाई विभिन्न जानकारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

श्रीजी इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में विज्ञान, पौराणिक कथाएं, नैतिक शिक्षा, देश विदेश की जानकारी संबंधित, प्रसिद्ध लेखकों के उपन्यास व कई कवियों की कई पुस्तकें प्रदर्शित की गईं। विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावक व शिक्षक भी इस मेले का हिस्सा बने और अपनी रुचि के अनुसार पुस्तकों की खरीददारी की। विद्यालय के चेयरमैन राकेश कुच्छल ने बताया कि पुस्तकें मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र हैं। आज के डिजीटल युग में भले ही इनका महत्त्व कम हो रहा है लेकिन विद्यार्थियों में पठन कौशल की रुचि को बरकरार रखने के लिए उन्हें नियमित पुस्तकें पढ़ना जरूरी है।

देश को विकास के शिखर पर पहुंचाने के लिए पूरा करना होगा 400 पार का संकल्प : मोहनलाल

- भाजपा प्रत्याशी मोहन लाल बड़ौली के समर्थन में हुई विजय संकल्प रैली, सिकंदरपुर माजरा में निकाली ट्रैक्टर रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

भाजपा प्रत्याशी मोहन लाल बड़ौली के समर्थन में शनिवार को भाजपा प्रदेश सचिव पंडित उमेश शर्मा ने विजय संकल्प रैली में शामिल होकर जनता से भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील की। जिसके बाद सिकंदरपुर माजरा में आयोजित विशाल ट्रैक्टर रैली में भाजपा समर्थक शामिल हुए।

भाजपा प्रत्याशी मोहन लाल बड़ौली के समर्थन में हल्का बरोदा गोहाना में विजय संकल्प रैली का आयोजन किया गया। भाजपा प्रत्याशी मोहन लाल बड़ौली ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, राष्ट्रहित और देश को विकास के शिखर पर पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 400 पार संकल्प को हम सभी को मिलकर पूरा करने होगा, क्योंकि भाजपा जितना ज्यादा मजबूत होगी देश भी उतना भी ज्यादा मजबूत होगा। विजय संकल्प रैली के बाद सिकंदरपुर माजरा में विशाल ट्रैक्टर रैली का आयोजन किया गया। इसके उपरांत मोहन लाल बडौली ने अपने नियमित जन संपर्क अभियान के तहत बरोदा और सोनीपत विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रभड़ा, बली, कटवाल, भैंसवाल, बिलबिलान, जसराना, गिवाना, आवली, रेवाडा, मोई, ककरोई रोड स्थित विश्वकर्मा धर्मशाला, सेक्टर 14, सिद्धार्थ कॉलोनी, चावला कॉलोनी, सेक्टर 15 और सिक्का कॉलोनी में जनसंपर्क किया।

सोनीपत। विजय संकल्प रैली में पहुंचें भाजपा प्रत्याशी मोहन लाल बड़ौली साथ में पंडित उमेश शर्मा एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

सेफ इंडिया फाउंडेशन करेगा छात्रवृति समारोह

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन ने छात्रों को पढ़ाई के प्रति और अधिक जागरूक करने के लिए रविवार 9 जून को छात्रवृत्ति सम्मान समारोह करने का निर्णय लिया है। शाम 5 बजे गेटवे एजुकेशन शिक्षण संस्थान सेक्टर 11 समारोह आयोजित किया जाएगा। इस बारे में चेयरमैन वाईके त्यागी और प्रधान संजय सिंगला ने बताया कि वर्ष 2024 मे 12 वी कक्षा मे 80% से अधिक अंक लेने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित किया जायेगा और जिन छात्रों के 60% से अधिक व 80% से कम अंक आएंगे उनको भी एक मौका दिया जायेगा जिसके तहत रविवार 2 जून को गेटवे संस्थान, सेक्टर 12 सोनीपत में उनका 10 बजे से 12 बजे तक एक टेस्ट लिया जायेगा और उसमे उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया जायेगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

अपना मां का कभी भी दिल न दुखाएं : राजबीर

- मातृ दिवस पर एमआर पब्लिक स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शनिवार को मातृ दिवस पर शहर में महम मार्ग स्थित एमआर पब्लिक स्कूल में समारोह आयोजित किया गया। समारोह में माताओं के लिए सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिताएं करवाई गई। मातृ दिवस समारोह के लिए मार्गदर्शन स्कूल के एमडी राजबीर शर्मा का रहा। उन्होंने कहा कि बच्चे की प्राथमिक पाठशाला उसका घर होता है और इस पाठशाला की पहली शिक्षक बच्चे की मां होती है। बच्चे का पहला गुरु उसकी मां ही होती है। एक बच्चे के सबसे बड़े शुभचिंतक उसके माता-पिता होते हैं। ऐसे में उनका हमेशा सम्मान करें और उनका कभी दिल न दुखाएं। समारोह की अध्यक्षता प्राचार्या अनीता शर्मा ने की। माताओं के लिए नृत्य प्रतियोगिता में कक्षा 5 की परी की माता गीता प्रथम, कक्षा 4 की मिनल की माता ज्योति द्वितीय और एंजेल की माता संतोष तृतीय स्थान पर रही। खेल प्रतियोगिताओं में कक्षा 3 की छात्रा तनवी की मां ज्योति, कक्षा 6 की गिनी की मां पूनम और कक्षा 5 के बंसी की मां रेखा क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहीं।

गोहाना। माताओं को सम्मानित करते हुए एमडी राजबीर शर्मा। फोटो : हरिभूमि

जजपा युवा नेता प्रदीप बड़वासनी हुए भाजपाई

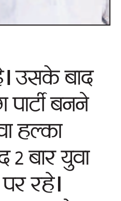

सोनीपत। जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रदीप बड़वासनी भाजपा में शामिल हो गए। वो 2012 से लगातार 3 बार इनेलो में गोहाना युवा हल्का अध्यक्ष रहे। उसके बाद इनेलो से जजपा अलग पार्टी बनने पर फिर से गोहाना युवा हल्का अध्यक्ष रहे। उसके बाद 2 बार युवा प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर रहे। वर्तमान में युवा प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर थे। पार्टी छोड़ते हुए उन्होंने कहा कि आज जननायक जनता पार्टी अपने मुद्दो से भटक चली है। पार्टी के मेहनती साथियों को पार्टी पहचाने में विफल रही।

योग कार्यशाला में हिस्सा लेते हुए महाविद्यालय स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

योग पर हुई कार्यशाला, बताया योग का महत्व

सोनीपत। शंभू दयाल शिक्षण महाविद्यालय के प्रांगण में क्षेत्रीय स्तर पर योग एवं सेल्फ केयर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रचलन के द्वारा की गई। इस कार्यक्रम पर प्रधानाचार्य डॉ. सुनीता स्याल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य योग को शिक्षा के साथ जोड़ना था। इस अवसर पर शंभू दयाल शिक्षण महाविद्यालय के प्रधान विजय जैन, सचिव शिव कुमार, कोषाध्यक्ष नलिनी देवी व शंभू दयाल मॉडर्न स्कूल के प्रधानाचार्य सौरभ शर्मा ने बीएड के छात्रों में उपस्थित सदस्यों को योग के सर्वाधिक महत्व के बारे में बताया कि योग हमारे जीवन के लिए कितना आवश्यक है।

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल में मदर्स डे पर मां के प्रति स्नेह व सम्मान को प्रदर्शित करते छात्र-छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

मां शब्द में होता है संपूर्ण सृष्टि का बोध : सुधीर जैन

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) में छात्र-छात्राओं ने हर्षोल्लास के साथ मदर्स डे मना कर मां के प्रति स्नेह व सम्मान को प्रदर्शित किया। विद्यार्थियों ने नाटक, कविता व गीतों के माध्यम से मां के त्याग एवं उनकी ममता को नमन किया। बच्चों ने पेंटिग एवं पोस्टर के साथ ही आकर्षक रंगोली बनाकर मां के प्रति प्रेम को दर्शाया। स्कूल के चेयरमैन सुधीर जैन, सीईओ संजय जैन व प्राचार्या गीता चोपड़ा ने माताओं को मदर्स डे की शुभकामनाएं दी। सुधीर जैन ने कहा कि मदर्स डे समाज में माताओं के प्रभाव व सम्मान का उत्सव है। इस दुनिया में मां से खूबसूरत शब्द और कुछ नहीं है। इस मौके पर अध्यापिका नमिता, नीरजा,श्वेता शर्मा, बीना, ज्योति शर्मा, पीटीआई ज्योति, संजीत, भावना, रितु सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

कार्यशाला युवा दिमागों को प्रज्ज्वलित करना थीम पर हुआ कार्यक्रम

स्टार्टअप शुरू करने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित

अदालतों में टैक्नोलॉजी के माध्यम से बदलाव पर प्रकाश डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हिन्दू कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, हरियाणा सरकार की वित्तीय सहायता से स्कूलों से स्टार्टअप तक नवप्रवर्तन के लिए युवा दिमागों को प्रज्वलित करना थीम पर शनिवार को दो दिवसीय वर्कशाप का आयोजन किया। इसका मकसद इंजिनियरिंग छात्रों को अपने स्वंय के स्टार्टअप शुरु करने और भारत को दुनिया में स्टार्टअप का केन्द्र बनाने में योगदान देने पर रहा। इसमें इंजिनियरिंग, इनोवेषन तथा एंटरप्रेन्योरशिप पर व्याख्यान तथा छात्रों के लिए अनेक प्रतियोगिता आयोजित की गई। आज की प्रतियोगिताओं में लगभग 100 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. नवीन कुमार मलिक ने कहा दुनिया भर में आर्टिफिशियल इटेलिजेंस (एआइ) टेक्नालॉजी का उपयोग एवं क्षमता बढ़ रही है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ तकनीकी व्याख्यान में वकील विकास सैनी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लोक अदालत और तकनीकी युग में अदालतों में टैक्नोलॉजी के माध्यम से बदलाव पर प्रकाश डाला। इस मौके पर डॉ. आशु बंसल, रितु गोयल, आयुषी अग्रवाल, अनीला नसीयर, अंकुर कौशिक, गौरव अग्रवाल, पुनित शर्मा, नीरज सैनी, डॉ. प्रीति मल्होत्रा, राकेश वर्मा, प्रिंयका, अनिषा, प्रवीन नारंग आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। प्रतिभागियों के साथ अतिथिगण, प्राचार्य एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

मातृ दिवस विशेष

अपने बच्चे से मां का जुड़ाव अत्यंत गहन और निस्वार्थ होता है। उसके जीवन को गढ़ने में ही नहीं संवारने में भी मां की भूमिका बहुत उदात्त होती है। मां की पूरी दुनिया, उसके बच्चे में ही समायी होती है। सच, हर संतान के लिए उसके मां की ममता, उसके प्रेम को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है।

अद्वितीय-असीम मां की ममता

{ आवरण कथा / कुमार राधारमण }

यह अकाट्य सत्य है कि मां सबकी जगह ले सकती है, लेकिन मां की जगह कोई नहीं ले सकता। इसलिए हमारा प्रेम, प्रेमिका के प्रति सर्वाधिक और पत्नी के प्रति सर्वोत्तम भले ही हो, लेकिन सबसे दीर्घजीवी ममतामयी और स्नेहपूर्ण प्रेम माता के साथ ही हो सकता है। हम चाहे बूढ़े हो जाएं, लेकिन अगर मां जीवित हैं, तो हमको उनकी जरूरत हमेशा महसूस होती है। उनके सान्निध्य में, उनके स्नेहपूर्ण स्पर्श में अप्रतिम आनंद और संतुष्टि की प्राप्ति होती है।

स्त्री का उदात्त स्वरूप

ओशो कहते हैं, 'मां होना स्त्री की सहज गति है। कोई पुरुष इसलिए विवाह नहीं करता कि पिता बन जाए, लेकिन स्त्री अनिवार्यतः विवाह इसलिए करती है कि वह मां बन सके। इसलिए मैं अपनी संन्यासिनों को मां कहता हूं, क्योंकि वह उनकी पूर्णता का अंतिम शब्द है। स्त्री की खोज उस दिन पूरी होगी, जिस दिन सारा जगत उसे अपनी संतान की तरह मालूम पड़ने लगे, सारा अस्तित्व उसे अपने बच्चे जैसा दिखने लगे, उसमें सारे अस्तित्व के प्रति मातृत्व जग जाए।'

आसान नहीं मां की भूमिका

पिता एक सामाजिक आवश्यकता भर है, लेकिन यही बात माता के संबंध में नहीं कही जा सकती है। बच्चे के जन्म के साथ ही मां का जन्म भी होता है। लेकिन, संतान को जन्म देना या मां बनना भर मां हो जाना नहीं है। जन्म तो अन्य प्राणी भी देते हैं। मां बनना और मां होना अलग-अलग बातें हैं। मां होना जीवन के सबसे कठिन कार्य को स्वीकार करना है। मां की भूमिका निभाना आसान नहीं होता है।

मां का अर्थ-स्वार्थहीनता

दुनिया के लिए हम करोड़ों लोगों में एक व्यक्ति मात्र होंगे, लेकिन मां के लिए हम ही पूरी दुनिया हैं। मां होने का अर्थ है, प्रेम का शुद्धतम रूप होना। प्रेम मातृत्व के साथ ही जन्म लेता है और उसके विदा होते ही समाप्त हो जाता है। बिना शर्त प्रेम केवल मां दे सकती है। अगर इस दुनिया में कोई एक चीज निश्चित है, तो वह है मां का प्रेम। बच्चे के प्रति मां के प्रेम जैसा दुनिया में कुछ भी नहीं। मां का अर्थ ही है स्वार्थहीनता।

त्याग-सहनशीलता की मिसाल

मार्क ट्वेन कहते हैं, 'बच्चा मां को कितना ही तंग करे, मां उसका आनंद ही लेती है। जब संतान का जन्म होता है, मां की अनगिनत रातें जागते हुए बीतती हैं। फिर भी, उसके चेहरे पर कोई क्षोभ या क्रोध नहीं, प्रसन्नता और संतोष की लालिमा ही दिखती है।'

महान लेखक जार्ज इलियट ने मां के बारे में ठीक ही कहा था कि संतान के मुखमंडल की प्रसन्नता ही उसके जीने का आधार होती है। जब तक शिशु कुछ कहना नहीं सीख पाता, तब तक मां की आंखों से नींद गायब रहती है। उसकी बंद आंखें भी बच्चे के लिए चिंतामग्न रहती हैं। बकौल अब्बास ताबिश, *'एक मुद्दत से मिरी मां नहीं सोई 'ताबिश', मैंने इक बार कहा था मुझे डर लगता है।'* इस धैर्य, सहनशीलता और त्याग का कोई सानी नहीं है।

संतान की पहली रोल मॉडल

चाहे किसी स्त्री के व्यक्तिगत जीवन या करियर के सपने मुरझा गए हों, लेकिन एक मां के तौर पर वह अपने बच्चे के सपने और उसके जीवन को निरंतर संवारती चलती है। यही नहीं, घर-परिवार की एकजुटता का आधार मां ही तैयार करती है। ऐसे में हर इंसान के लिए उसकी मां से बड़ा कोई दूसरा रोल मॉडल नहीं हो सकता है। पूर्व अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी लिसा लेस्ली ने कहा था, 'जब तक मैं समझती कि रोल मॉडल होना क्या होता है, उससे पहले ही मेरी मां मेरे लिए रोल मॉडल बन चुकी थीं।'

निभाती है सबसे मूल्यवान दायित्व

मां ही बच्चे को जीने की कला सिखाती है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन का प्रसिद्ध कथन है, 'आज मैं जो कुछ भी हूं, अपनी मां की ही बदौलत हूं।' एक नैतिक, करुणावान, सभ्य और जिम्मेदार मनुष्य तैयार करना इस दुनिया का सबसे बड़ा और मूल्यवान दायित्व है, जिसे मां पूरी शिद्दत से निभाती है। किसी भी इंसान में जो कुछ भी बन सकने की संभावना होती है, उसमें मां की अनन्य भूमिका होती है। खुद अनपढ़ हो, तो भी बच्चों को पढ़ाती है मां। यह भूमिका, साहस और सौंदर्य शब्दों से परे है। इसी अर्थ में बिल वाटरसन ने मातृत्व को आविष्कार की जननी माना है। भारत में महान सांस्कृतिक आंदोलन के प्रणेता श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं, 'माता का अर्थ है निर्माण करने वाले गुणों का होना।'

हर संकट में देती है संबल

संकट की हर घड़ी में सबसे पहले मां की ही याद आती है, क्योंकि कठिन से कठिन समय में भी संतान के प्रति मां की सहानुभूति और हौसला छीजता नहीं। प्रसिद्ध यहूदी उक्ति है कि मां वह भी समझती है, जो बच्चा कह नहीं पाता। हर मुश्किल वक्त में, आप मांगें न मांगें, मां संबल देती ही है। इफ्तिखार आरिफ का मशहूर शेर है, *'दुआ को हाथ उठाते हुए लरजता हूं, कभी दुआ नहीं मांगी थी मां के होते हुए।'*

मां के प्रति हों कृतज्ञ

मां का प्रेम हमारे भीतर एक नई ऊर्जा उत्पन्न करता है। इस ऊर्जा में हमारे अंतरतम को आलोकित करने की शक्ति होती है। यह ऊर्जा किसी बंधन को नहीं मानती और न ही यह हमें बांधती है। यह ऊर्जा मुक्तिदायी है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज के अर्थप्रधान और भौतिक युग में हम मां की गरिमा का मूल्य भूलने लगे हैं। मां के प्रति कृतज्ञता का जो भाव होना चाहिए, प्रायः हम उसकी अनदेखी करते हैं। स्वयं के साथ ही देश और समाज के उत्थान के लिए मातृशक्ति का सम्मान, उनके प्रति कृतज्ञता का भाव परम आवश्यक है। *

ऐसे हुई मातृ दिवस की शुरुआत

दुनिया भर के 40 से अधिक देशों में मई के दूसरे रविवार को मातृदिवस मनाया जाता है। कई और देशों में यह मार्च या दूसरे महीनों में भी मनाया जाता है। लेकिन भारत, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका में यह मई के दूसरे संडे को ही मनाया जाता है। मदर्स-डे की इस वैश्विक महत्ता को देखते हुए जो शुरुआती अनुमान बनता है, उससे लगता है शायद महिलाओं को उनकी मातृत्व विशिष्टताओं के लिए यह पुरुषों द्वारा दिया गया सम्मान होगा, पर ऐसा नहीं है। यह महिलाओं द्वारा खुद अपने लिए बड़ी जिद और जुनून से अर्जित किया गया सम्मान है, इसके लिए दुनिया की कई महिला नेत्रियों को दशकों तक संघर्ष करना पड़ा था।

जूलिया वार्ड हावे

एना जार्विस

इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज पूरी दुनिया में मातृ दिवस मांओं के सम्मान को समर्पित है। लेकिन इस दिन को सम्माननीय बनाने के लिए जुलिया वार्ड होवे और एना जार्विस जैसी अमेरिकी सामाजिक कार्यकर्ताओं और नारीवादी एक्टिविस्टों ने बहुत कुछ किया है। मदर्स-डे की शुरुआत का श्रेय वास्तव में जूलिया वार्ड होवे को ही जाता है, लेकिन आधुनिक स्वरूप के मदर्स-डे की संस्थापक ब्रिटिश सामाजिक कार्यकर्ता एना जार्विस मानी जाती हैं। सन 1870 में जूलिया वार्ड होवे ने महिलाओं से अपने मां के सम्मान में मदर्स-डे मनाए जाने का आह्वान किया था। अगर कहें कि दुनिया में सबसे पहली बार इस दिवस की कल्पना उन्होंने ही की थी, तो गलत नहीं होगा, क्योंकि इस नारीवादी लेखिका ने देखा था कि युद्ध की क्रूरता को सबसे अधिक मांओं को झेलना पड़ता है। इसलिए युद्ध रोकने के लिए जूलिया वार्ड ने दुनियाभर की मांओं के लिए एकजुट होकर आगे आने का आह्वान किया था और दो वर्षों के बाद 1872 में पहली बार उनके नेतृत्व में इकट्ठी हुई महिलाओं ने 'मदर्स पीस-डे' मनाया, जो कि वास्तव में आज के मदर्स-डे की बुनियाद था। अमेरिका के कई शहरों में यह मदर्स पीस-डे अगले 30 सालों तक मनाया जाता रहा। लेकिन आगे चलकर एना जार्विस ने इस मदर्स पीस-डे को सिर्फ मदर्स-डे में बदल दिया। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि इससे हर कोई अपनी मां से जुड़ रहा था और मांओं के प्रति सम्मान का यह आदर्श दिवस बन गया था।

-संध्या सिंह

म से मां, मदर, मम्मी...

बच्चे को जन्म देने वाली स्त्री को क्या कहते हैं? हिंदी में मां, संस्कृत में माता, अंग्रेजी में मदर, फारसी में मादर, फ्रेंच में मेर, स्पेनिश में मादरे, इतालवी में मम्मा, जर्मन में मत्तेर, चीनी में मकून, रूसी में ममा, बांग्ला में मा आदि। जिन भाषाओं में जननी के लिए सम्मानसूचक शब्द 'म' या 'एम' से आरंभ नहीं होता, उनमें भी अकसर यही वर्ण प्रधान होता है जैसे- तमिल और मलयालम में अम्मा और उर्दू में अम्मी। ऐसा क्यों है कि अधिकतर भाषाओं में मां के लिए बोले जाने वाले शब्द 'म' से शुरू होते हैं या उनमें 'म' पर बल दिया जाता है? यह सोचने की बात है। मां की गोद में रहते हुए जब मैंने बोलना सीखा था तो मेरे मुंह से पहला शब्द 'मम' निकला था, जो मां के लिए भी था और पानी के लिए भी। अरबी भाषा में पानी को 'मा' कहते हैं। तो मां वो शय है, जिससे ममत्व गंगा की तरह बहता है। शायर कृष्ण स्वरूप के शब्दों में, *'कांपते होंठों से अम्मा जो दुआ देती है/ मेरे अल्लाह तेरे होने का पता देती है।'* मैंने मां दुर्गा के नौ अवतारों- मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कूष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री को अपने अंदर आत्मसात करके दुष्प्रवृत्तियों का नाश किया। यह आदमी से इंसान बनने की प्रक्रिया मुकम्मल न हो पाती अगर मां सरस्वती से ज्ञान, मां लक्ष्मी से समृद्धि और मां पार्वती से शक्ति नहीं मिलती। बाइबिल का वचन कितना सत्य है कि मां के बिना जीवन होता ही नहीं है। मां तू आलौकिक है। तेरे स्मरण मात्र से रोम-रोम पुलकित हो उठता है, दिल में जज्बात की अनहद लहर खुद-ब-खुद उमड़ पड़ती है और दिलो-दिमाग यादों के गहरे समुद्र में डूब जाता है। मां तेरी ममता और तेरे आंचल की महिमा को मैं शब्दों में व्यक्त करने में असमर्थ हूं। मां तूने मेरे लिए क्या नहीं किया- नौ माह अपने पेट में रखा, प्रसव पीड़ा को बर्दाश्त किया, स्तनपान कराया, रात-रात भर मेरे लिए जागी, खुद गीले में रह कर मुझे सूखे में सुलाया, मीठी-मीठी मुझे लोरियां सुनाईं, अंगुली पकड़ कर मुझे चलना सिखाया, मैं रूठा तो तूने मुझे मनाया, मैं रोया तो तूने मेरे आंसुओं को पोंछा। आज भी जब मैं अंधेरे में भटकता हूं तो मां मैं अपने हाथ पर तेरा हाथ महसूस करता हूं, मेरा हाथ पकड़ कर तू मुझे राह दिखाती है... यह मेरी अनुभूति है। मुझसे पहले भी शायरों, विद्वानों, साहित्यकारों, दार्शनिकों आदि ने मां के प्रति उत्पन्न होने वाली अनुभूतियों को कलमबंद करने की भरपूर कोशिश की है, लेकिन वो भी मेरी तरह मां की समग्र परिभाषा और उसकी अनंत महिमा को अल्फाज में कहां पिरो पाए हैं। शायद ईश्वर की तरह ही मां को परिभाषित न कर पाना ही मां की मूल पहचान है। ममत्व और वात्सल्य की दृष्टि से दुनिया की सभी मांएं एक जैसी होती हैं और यही कारण है कि संसार की अधिकतर भाषाओं में म से ही मां, मदर, मम्मी जैसे शब्द बने हैं।

-शाहिद ए. चौधरी

{ जज्बात / मुनव्वर राना }

मां की दुआ

छू नहीं सकती मौत भी आसानी से इसको
यह बच्चा अभी मां की दुआ ओढ़े हुए है

चलती फिरती हुई आंखों से अज़ां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है मां देखी है

मैंने रोते हुए पोंछे थे किसी दिन आंसू
मुद्दतों मां ने नहीं धोया दुपट्टा अपना

लबों पे उसके कभी बददुआ नहीं होती
बस एक मां है जो मुझसे खफा नहीं होती

इस तरह मेरे गुनाहों को वो धो देती है
मां बहुत गुस्से में होती है तो रो देती है

मेरी ख्वाहिश है कि मैं फिर से फरिश्ता हो जाऊं
मां से इस तरह लिपट जाऊं कि बच्चा हो जाऊं

ये ऐसा कर्ज है जो मैं अदा कर ही नहीं सकता
मैं जब तक घर न लौटूं मेरी मां सज्दे में रहती है

यूं तो अब उसको सुझाई नहीं देता लेकिन
मां अभी तक मेरे चेहरे को पढ़ा करती है

(साभार)

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

वाचिक आलोचना का परिदृश्य

बहुआयामी वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत विगत कई दशकों से विभिन्न विधाओं में निरंतर सृजनशील हैं। हालांकि उनके विपुल रचना संसार पर आलोचनात्मक विमर्श, तुलनात्मक रूप से कम ही हुआ है। हाल में स्वयं उन्हीं के संपादन में प्रकाशित पुस्तक 'हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य' इस लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा सकती है कि इसमें उद्भ्रांत के बहुविध लेखन पर अनेक वरिष्ठ आलोचकों के वक्तव्यों को हू-ब-हू संकलित किया गया है। यहां नामवर सिंह, विश्वनाथ त्रिपाठी, अशोक बाजपेयी और नित्यानंद तिवारी से लेकर राजेंद्र यादव, पंकज बिष्ट, पंकज शर्मा और देवेंद्र चौबे तक वरिष्ठ और नई पीढ़ी के लेखकों-आलोचकों के बेबाक विचार मौजूद हैं। इस पुस्तक की खासियत यह भी है कि संपादक ने अपने बारे में की गई तल्ख टिप्पणियों को भी इसमें संकलित करने से गुरेज नहीं किया है। उद्भ्रांत के रचना संसार को समझने में यह किताब काफी मददगार साबित हो सकती है। *

पुस्तकः हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य (आलोचनात्मक वक्तव्य), **संपादकः** उद्भ्रांत, **मूल्यः** 499 रुपए, **प्रकाशकः** नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

{ लघुकथाएं }

मां की ममता की गहराई कभी नहीं मापी जा सकती। मां के लिए उसकी संतान सबसे बड़ी नियामत है। उसके लिए वह अपना सब कुछ न्योछावर कर सकती है। मां की ममता को उकेरती लघुकथाएं।

मां भावनाओं का समंदर

मां हो तो ऐसी!

मां बनने के लिए वर्षों से अनुराधा इंतजार कर रही थी। एक दिन डॉक्टरों ने बताया कि वह दुर्घटना के कारण अब जीवन भर मां नहीं बन सकेगी। अनुराधा ने किसी बच्चे को गोद लेने का निर्णय लिया। दो वर्ष बाद ही उसने एक तीन माह के बच्चे को गोद ले लिया।

बच्चा अनुराधा की गोद में आया तो वह खुशी से झूम उठी। मां बनकर उसे अद्भुत आनंद की अनुभूति हो रही थी। ऐसा लगा मानो सारे संसार की खुशियां उसकी झोली में आ गई हैं। पूरी गली में उसने मिठाई बंटवाई। अनुराधा ने बच्चे का नाम रखा आलोक। सबसे बोली, 'आज से सभी लोग मुझे आलोक की मां कहकर बुलाएंगे।' सभी ने मुस्कुराकर हामी में सिर हिला दिया। बच्चा एक साल का हुआ तो उसने जब पहली बार अनुराधा को 'मां' कहकर पुकारा, वह खुशी से उछल पड़ी। मां पुकारे जाने पर उसे लगा जैसे उसका जीवन सार्थक हो गया। कितने सालों से वह मां शब्द सुनने को तरस रही थी। अनुराधा ने इस खुशी में एक बार फिर अपनी गली में मिठाई बंटवाई। जिस दिन बच्चे का अन्नप्राशन हुआ, उसने फिर गली में सबको मिठाई खिलाई। इतना ही नहीं पहले दिन जब आलोक स्कूल गया, अनुराधा सबको मिठाई खिलाना नहीं भूली। यहां तक कि जब कॉलेज में भी आलोक ने दाखिला लिया तो अनुराधा ने फिर मिठाई बांटी। पढ़ाई पूरी करने के बाद जिस दिन आलोक ने पिता के पुश्तैनी कारोबार में हाथ बंटाना शुरू किया तो अनुराधा ने लड्डू बांटे। गली की कुछ महिलाओं ने तारीफ में कह दिया, 'अनुराधा, तुम बेटे के हर काम के शुभारंभ पर सबको मिठाई खिलाना नहीं भूलतीं। तुम तो बहुत अनोखी मां हो।' इस पर अनुराधा बनावटी गुस्सा दिखाते बोली, 'लगता है तुम औरतों को मेरी खुशी से जलन हो रही है।' अनुराधा का उत्तर सुनकर नाराज होने के बजाय सारी महिलाएं एक साथ हंसकर बोलीं, 'मां हो तो ऐसी...!'

इस पर मां अनुराधा का सिर गर्व से ऊंचा होना ही था।

इस पर अनुराधा को गौरान्वित महसूस होना ही था। *

-अशोक वाधवाणी

हैप्पी मदर्स-डे

वृद्धाश्रम में मां आज काफी खुश थी। खुशी इस बात की नहीं कि उसके बेटे ने नई साड़ी या टूटा हुआ चश्मा बनवा कर दिया था, बल्कि खुशी तो इस बात की थी कि महीनों बाद उसका इकलौता बेटा उससे मिलने आया था। पूरे बीस मिनट उसके पास बैठकर उसकी खैर-खैरियत पूछी। मोबाइल पर उसके साथ दर्जनों सेल्फी लीं। बेटे के जाने के बाद वह उसके आने की खुशी वृद्धाश्रम की अन्य औरतों के साथ साझा कर रही थी। किसी ने पूछा, 'काफी महीनों बाद आज तुम्हारा बेटा तुमसे मिलने आया था। क्या आज तुम्हारा या तुम्हारे बेटे का बर्थ-डे है?' 'अरे नहीं, आज वो क्या कहते हैं... हां... हैप्पी मदर्स-डे है न!' मां हंसते हुए बोली। कुछ देर बाद मां अपने बक्से से बेटे की तस्वीर निकाल कर निहार रही थी, दूसरी ओर बेटा मां के साथ खींची हुई तस्वीरें मोबाइल स्टेटस और फेसबुक पर लगा रहा था। *

-विनोद कुमार विक्की

यह है स्वर्ग

आज चार वर्षीया दीपिका के स्कूल में मदर्स-डे मनाया जा रहा था। दीपिका के माता-पिता को भी आमंत्रित किया गया था। अचानक वह खड़ी हुई और उसने टीचर से पूछा, 'मैडम स्वर्ग क्या होता है?' एक पल सोचकर टीचर ने दीपिका और उसकी मम्मी को स्टेज पर बुलाया। दीपिका को उसकी मम्मी की गोद में बैठाकर बोलीं, 'बेटा, मां की गोद स्वर्ग होती है, मां भगवान जो होती है।'

स्कूल का हॉल तालियों से गूंज उठा। लेकिन दीपिका के मम्मी-पापा एक-दूसरे को ताकते हुए गर्दन झुकाए बैठे थे। कार्यक्रम खत्म होते ही दीपिका के मम्मी-पापा वृद्धाश्रम गए। दोनों ने दीपिका की दादी से क्षमा मांगी और उन्हें घर ले आए। मां की गोद में सिर रखकर दीपिका के पापा बोले, 'आज मुझे स्वर्ग मिल गया।' घर में खुशियां गुनगुनाने लगीं। *

-चंद्रप्रकाश डाले

मां बहुत अजीब है

उसे मां पर बहुत गुस्सा आता है। कभी-कभी नफरत सी होती है। जब देखो तब मां उसे डांटती-फटकारती रहती हैं, कभी एग्जाम में नंबर कम लाने पर, कभी अपना कमरा गंदा रखने पर, तो कभी-कभी प्लेट में खाना जूठा छोड़ने पर भी। और तो और, गीला तौलिया बिस्तर पर छोड़ने पर भी डांटने से नहीं चूकतीं। उसे लगता है कि वह मां को कभी खुश नहीं कर पाएगा।

'कितनी अच्छी होती है मां। अपने बच्चों के लिए कुछ भी कर गुजरने वाली।' इस तरह की बातें पढ़ने-सुनने और देखने के बाद उसे अपनी मां बहुत अजीब लगती है।

'मां मुझे बिल्कुल प्यार नहीं करती। कहीं मेरी मां नकली तो नहीं!' उसके दिमाग में यह विचार घर बनाता जा रहा था। वह हरदम गुस्साया-सा रहने लगा।

आज किसी बात पर वह पड़ोसी लड़के से उलझ गया। लड़का जरा ताकतवर था। लड़के ने उसे मारने के लिए अपना हाथ उठा दिया। डर के मारे उसने अपनी आंखें बंद कर लीं। अचानक मां वहां आ गई।

'अब तो दो चपत इनकी भी खानी पड़ेगी।' उसने मन ही मन अपनी नियति तय कर ली। लेकिन यह क्या? मां ने लड़के का हाथ उसके गाल तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया, बोली, 'खबरदार जो मेरे बेटे को हाथ लगाया।'

मां ने पड़ोसी लड़के को चेताया और उसे हाथ पकड़ कर अपने साथ ले गई। रास्ते भर उस लड़के को कोसती जा रही थी सो अलग। 'मां सचमुच बहुत अजीब है।' वह सोचता जा रहा था। *

-आशा शर्मा

मैं अच्छी मां बनूंगी

छह महीने का होने को आया नन्हा मुकुल पर लोगों के व्यंग्यबाण स्नेहा आज भी सुन रही है।

'सरोगेसी से मां बनने वाले... क्या जानें मां की भावना?'

'सच है! जिसने जना ही नहीं, उसे क्या पता बच्चा होने का दर्द? ना कोई स्ट्रेच मार्क, ना कोई स्टिचेस... बस बच्चा गोद में आ गया।'

मेडिकल प्रॉब्लम की वजह से नेचुरली मां ना बन पाना स्नेहा के लिए यूं भी बड़ा दुःखपूर्ण था, ऊपर से ऐसे तानों ने उसके दिल को छलनी कर दिया।

'गिरीश क्या मैं अच्छी मां बनूंगी?' जब तक पति गिरीश कुछ बोलते, नन्हे मुकुल ने तोतली जुबान से 'म... म्मा' बोल दिया।

गिरीश ने स्नेहा का हाथ थामा और जवाब में बोला, 'अच्छी मां बनने के लिए सिर्फ मां की ममता जरूरी है स्नेहा! पूरी दुनिया को यह यशोदा मां ने समझाया है।'

खुशी के मारे उसने मुकुल के नन्हे पैरों पर अपनी अंगुलियों से दिल बनाया, वही गिरीश ने भी किया। तीन खूबसूरत दिल एक-दूसरे के लिए धड़क रहे थे। *

-अवंति श्रीवास्तव

मनमोहक-आकर्षक
पहाड़ों का कुदरती सौंदर्य

घूमने के लिए तो देश-दुनिया में बहुत कुछ है, लेकिन जिन्हें कुदरती नजारे लुभाते हैं, वे पहाड़ों और उसकी हरी-भरी वादियों में घूमना बहुत पसंद करते हैं। अपने देश के अलग-अलग स्थानों पर स्थित पहाड़ों की क्या विशेषताएं हैं, वे एक-दूसरे से कितने अलग हैं, इनका अनुभव लेखक बयां कर रहे हैं अपनी जुबानी।

नेचर ट्रैवलिंग / समीर चौधरी

हल्की-हल्की ठंडी हवा देवदार के पेड़ों में झंकार पैदा करते हुए बह रही थी। दुधिया झरना पत्थरों के बीच में से होता हुआ उतर रहा था। कहीं दूर बर्फीला तीतर अपने साथी को पुकार रहा था। पहाड़ी के ऊपर बने पुरातन मंदिर में सूरज की किरणें पड़ रही थीं, जो बर्फीली मोती जैसी चोटियों को भी चमका रही थीं। सब कुछ परियों के देश जैसा लग रहा था। मैं पहाड़ों की यात्रा पर था। यह पिछले जाड़ों की बात है।

पहाड़ों का अस्तित्व है जरूरी

पहाड़ आपको लुभाते हों या नहीं लेकिन यह सभी को पता होना चाहिए कि पहाड़ों में जीवन देने की कितनी क्षमता होती है। साथ ही पहाड़ों की शानदार जैव विविधता की महत्ता को समझकर उसके संरक्षण का हर संभव प्रयास करना चाहिए। हमें जो ताजा, पीने योग्य पानी मिलता है, उसका 60 से 80 प्रतिशत पहाड़ों से हासिल होता है। पहाड़ असंख्य जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों को अपनी गोद में आसरा देते हैं। पहाड़ संपूर्ण भूमंडल का 24 प्रतिशत हिस्सा कवर करते हैं और 13 प्रतिशत ग्लोबल जनसंख्या को शरण देते हैं। इन महत्ताओं को जानने के अलावा पहाड़ी सौंदर्य मुझे हमेशा आकृष्ट करता रहा है। पहाड़ खामोश प्रहरी हैं, जो अनेक तरह से हमारी रक्षा करते हैं। पहाड़ों की यात्रा करने का अर्थ है प्रकृति से ऐसे जुड़ना कि अपने ही मन की गहराइयों में उतरने का अवसर मिल जाए।

हर पहाड़ का अलग आकर्षण

मैंने भारत के लगभग सभी हिस्सों यानी उत्तरी और दक्षिणी इलाकों में स्थित पहाड़ों की यात्रा की है। हर पर्वत श्रृंखला का अपना एक अलग ही आकर्षण होता है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि पहाड़ों की ऊंचाई और भूखंड कैसा है, क्योंकि इन्हीं से वहां का क्लाइमेट, वेजिटेशन और लोगों की जीवनशैली तय होती है। पिछले साल नवंबर में जब मैं उत्तराखंड के पहाड़ों से रूबरू होने गया था तो मैंने विंटरलाइन की मंत्रमुग्ध करने वाली सुंदरता का आनंद लिया, जहां जाड़ों के महीनों में शाम के समय नारंगी-सुनहरा कृत्रिम क्षितिज बन जाता है। यह दुनिया में सिर्फ दो ही जगह दिखाई देता है- अपने देश के मसूरी में और स्विट्जरलैंड में। इसी तरह जब मैं इस साल जनवरी में हिमाचल प्रदेश में था, तो मैंने एल्पेन ग्लो इफेक्ट देखा, जब सूर्य की किरणों के बिखरने से बर्फ से ढंकी चोटियां जलती आग की तरह लाल हो जाती हैं। इन दोनों ही कंडीशंस को समझने के लिए, वैज्ञानिक दृष्टि और सिद्धांत तो है ही, लेकिन मुझ जैसे आम घुमक्कड़ के लिए यह प्रकृति का चमत्कार है, शानदार जादू है, जिसे केवल पहाड़ों में ही देखा जा सकता है।

दिल को छू लेती है उनकी सुंदरता

अगर टिहरी में मुझे देवदार के पेड़ों की सोंधी-सोंधी गंध ने मंत्रमुग्ध किया तो नड्डी के घने जंगलों ने मुझे अचरज से भर दिया। दक्षिण भारत में पहाड़ आमतौर से चाय बागानों का घर होते हैं, जैसे कि ऊटी, कुनोर और मुन्नार में। लेकिन बीच-बीच में ऊंचे सिल्वर ओक और यूकेलिप्टस के पेड़ भी हैं, जिन्हें देखकर ऐसा लगता है जैसे वह नीले आसमान से कुछ राज की बातें सरगोशियों में कर रहे हों।

पहाड़ी पर्यटन का अनोखा आनंद

पहाड़ों की यात्रा करते समय मुझे आमतौर से सीधे, सच्चे, धार्मिक और मिलनसार स्थानीय लोग मिलते हैं, जो पर्यटकों का खुले दिल, खुली बांहों और मुस्कान के साथ स्वागत करते हैं। वे अपनी प्राकृतिक धरोहर पर गर्व करते हैं और पर्यटकों को अपनी भूमि, अपने देवताओं, अपने पशुओं और पहाड़ों के साथ अपने गहरे रिश्तों की दिल को स्पर्श करने वाली कहानियां सुनाते हुए कभी थकते नहीं हैं। मैं अकसर अकेला ही यात्रा करता हूं, इसलिए मैंने स्थानीय लोगों के साथ सुनसान जंगलों, खामोश पहाड़ों में घंटों बिताए हैं, लेकिन कभी भी मैंने परेशानी या असुरक्षा का एहसास तक नहीं किया। *

हम ही पहुंचा रहे नुकसान

पहाड़ केवल शानदार नजारों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स योग्य तस्वीरों के लिए नहीं होते हैं। पहाड़ों में जीवन जीना कठिन भी होता है। चलना और बुनियादी काम जैसे कुकिंग और खेती के लिए भी जबरदस्त शारीरिक श्रम और स्टेमिना की आवश्यकता होती है। उनका इकोसिस्टम बहुत नाजुक होता है, जिसे संभालने और संरक्षित करने की जरूरत होती है। पहाड़ों पर जब बारिश पड़ती है या बर्फ गिरती है तो एक जगह से दूसरी जगह जाना और चीजों की उपलब्धता चिंता का विषय बन जाते हैं। प्राकृतिक आपदाएं जैसे फ्लैश फ्लड्स, भू-स्खलन, हिम-स्खलन आदि जीवन को पूरी तरह से रोक देते हैं, जिससे सुरक्षा और जीविकोपार्जन के लिए संकट उत्पन्न हो जाते हैं। अकसर ये आपदाएं मानव-निर्मित भी होती हैं। गैर-जिम्मेदाराना पर्यटन, स्वार्थी कमर्शियल लक्ष्य, बिना सोचे-समझे पेड़ों को काटना, अनियोजित शहरीकरण आदि कारण हैं, जिनसे पहाड़ों और पहाड़ी जीवन को बहुत नुकसान पहुंच रहा है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और कश्मीर जैसे हिमालय पहाड़ के राज्यों में हाल के वर्षों में जो प्राकृतिक आपदाएं देखने को मिली हैं, वे हमसे सख्ती से कह रही हैं कि प्रकृति में असंतुलन उत्पन्न मत करो वर्ना प्रकृति का गुस्सा बर्दाश्त नहीं कर पाओगे।

उपयोगी पेड़ / शिवचरण चौहान

कहते हैं, मई-जून में अमलतास के फूल जितना अधिक खिलते हैं, मानसून में उतनी ही अच्छी बरसात होती है। अमलतास का फूलना सदैव मंगलकारी माना गया है। इस वृक्ष के विभिन्न नाम, प्रकार और विशेषताओं के बारे में जानिए।

पीले फूलों वाला
अमलतास का वृक्ष

पीले सुंदर फूलों वाले वृक्ष अमलतास को देव वृक्ष भी कहा जाता है। संस्कृत के कवि कालिदास ने इसकी बहुत प्रशंसा की है और इसे स्वर्ण फूल वाला वृक्ष कहा है। सचमुच सुंदर पीले फूलों से शोभायमान अमलतास अपने अद्भुत सौंदर्य से सबका मन मोह लेता है। यह वृक्ष भारत और म्यांमार के जंगलों में खूब पाया जाता है। यह पेड़ ज्यादातर समूह में नहीं उगता, लेकिन उन जंगलों में यह समूहों में उगता है, जिन जंगलों में बंदरों की अधिकता होती है। जब बंदर इसकी फलियों को तोड़ते हैं तो इसके बीज बिखर जाते हैं। इस तरह इन्हें दूसरी जगह पर उगने और फैलने का अवसर मिल जाता है, यह इसलिए उपयोगी होता है, क्योंकि इसके बीज कठिनाई से उगते हैं। इसके ज्यादातर बीजों को कीड़े फलियों के अंदर ही खा जाते हैं।

पेड़ की विशेषताएं: छोटे पौधों की छाल हरी, धुएं के रंग जैसी और चिकनी होती है। जो पेड़ पर ही लगे रहने के कारण काली ओर खुरदरी होती चली जाती है। अमलतास के फूल गर्म मौसम में अप्रैल, मई, जून के महीने में खिलते हैं। इन फूलों से लदे पेड़ों की सुंदरता देखने लायक होती है। लंबे पतीले से डंठलों पर लटकने वाले पीले फूल और गोल कलियां कानों में लटकने वाले झुमकों के समान दिखाई देते हैं। इसके पत्ते आकार में बड़े और जुड़े हुए होते हैं। पत्ते तीन से आठ जोड़ों में उगते हैं।

अमलतास के फूलों की छटा और नए पत्तों के रंगों को देखते हुए इसके कई भेद किए गए हैं। इसकी फलियां प्रारंभ में हरी ओर कोमल होती हैं। यह फलियां केंद्र से दो फीट लंबी लटकती हैं। हर फली में पच्चीस से सौ तक भूरे रंग के चमकीले बीज अलग-अलग खानों में पड़े रहते हैं। फली के अंदर काला मीठा गूदा रहता है, जो इन बीजों के साथ लगा रहता है। इस काले से गूदे को अमलतास का गुड़ कहते हैं। बंदर, गीदड़ और भालू आदि कई प्राणी इस प्राकृतिक गुड़ को चाव से खाते हैं। खासकर इसकी फली के कारण यह पेड़ बंदरों को विशेष रूप से प्रिय है। यही कारण है कि इस अमलतास के पेड़ का एक नाम 'बंदर लाठी' भी है।

नाम हैं कई : अमलतास का पेड़ भारत में लगभग सभी प्रांतों में पाया जाता है। पहाड़ों में भी 2000 फीट की ऊंचाई तक यह पाया जाता है। हर प्रदेश में इसका नाम अलग-अलग है। हिंदी में इसे किराल, किलवली, सिनार, तेलुगु में रेला, संस्कृत में सुवर्णक, बंगाली में बंदर लाठी, सोनाली, मराठी में जंबा, बेहावा, गुजराती में गरमा डो और अंग्रेजी में इंडियन लैबनर्म कहते हैं। इसका वैज्ञानिक नाम कासिआ फीस्टुला है। अन्य भारतीय भाषाओं में इसके नाम किरमाल, गिरमाल आदि हैं। ये शब्द संस्कृत के कृतमाल शब्द से निकले हैं। माला के समान लटकते फूलों के कारण संस्कृत में इसे कृतमाल का नाम दिया गया है। मालवा क्षेत्र में इसे गिरमली नाम से जाना जाता है। डच भाषा में इसे गोल्डन शावर नाम दिया गया है। चिकित्सा ग्रंथों में इसे स्वर्णद्रुम, स्वर्णांश और स्वर्ण भूषण जैसे नाम दिए गए हैं। वाल्मीकि ऋषि ने इसे कांचन वृक्ष अर्थात सोने के पेड़ जैसा सुंदर नाम दिया है। फूलों के उल्लास भरे सौंदर्य के कारण इसे राजवृक्ष अर्थात वृक्षों का राजा नाम भी दिया गया है।

अमलतास के वंश का एक और पौधा : अमलतास के वंश का एक और पौधा पाया जाता है, जिसे सनाय, अंग्रेजी में इंडियन सेन्ना, संस्कृत में भूपक्ष कहते हैं। यह झाड़ीनुमा होता है। दक्षिण भारत, अरब और सोमालीलैंड में इसकी प्रजातियां पाई जाती हैं। अमलतास के पत्ते ग्रीष्म ऋतु में गिर जाते हैं और फिर नए पत्ते आते हैं। अप्रैल, मई और जून में अमलतास बागों में या शहरों और महानगरों में सड़क किनारे अपने पीले फूलों से छटा बिखेरता दिखाई देता है।

अमलतास के उपयोगी गुण : अमलतास में अनेक औषधीय गुण पाए जाते हैं। अमलतास का लंबा-सा फल बहुपयोगी होता है। फल का गूदा रेचक औषधि के रूप में उपयोग किया जाता है। अमलतास के पेड़ की छाल को सुमारी कहते हैं। इसमें टेनिन प्रचुर मात्रा में होता है। अमलतास की लकड़ी बहुत मजबूत होती है, जो मकान, पुल और खेती में उपयोगी अनेक प्रकार के औजार बनाने के काम आती है। *

आत्मचिंतन / राजयोगी बीके निकुंज जी

संपूर्ण विश्व है एक परिवार

आत्मवत सर्व भूतानि यः पश्यति सः पंडिताः इस पौराणिक सूत्र में मानव कल्याण की समग्र भावना सन्निहित है। यह सारा विश्व एक सूत्र में बंध सकता है, यदि हम सभी संसार को एक कुटुंब के रूप में देखें और प्रत्येक मनुष्य से वैसे ही प्रेम करें, जैसे हम अपने परिवार के सदस्यों से करते हैं।

सभी मनुष्यों में रक्त संबंध: प्राकृतिक रचना की दृष्टि से भी देखा जाए तो सभी मनुष्य एक ही परिवार के सदस्य हैं, क्योंकि परिवार उसे माना जाता है जहां रक्त का संबंध स्थापित हो सके और संसार के किसी भी कोने के मानव का रक्त, संसार के किसी भी दूसरे कोने के अन्य मानव को चढ़ाया जा सकता है। और जहां तक रक्त के ग्रुप की बात है वह तो पिता और पुत्र का भी अलग-अलग हो सकता है अन्यथा जाति, कुल आदि के आधार पर रक्त की भिन्नता नहीं है। हम जानते हैं, एक ही केंद्र या स्रोत से निकलने वाले जल की कालांतर में अनेक धाराएं बन जाती हैं। कुछ ऐसा ही इस विश्व परिवार के साथ भी हुआ है। बीज और तने की सही जानकारी न होने के कारण कालांतर में निकली शाखाएं अपने को ही मूल पेड़ मान बैठी हैं और इस प्रकार शाखाएं, उप-शाखाएं, टहनियां आपस में टकराने लगी हैं। अब, पेड़ तो जड़ होता है और उसका बीज बोल नहीं सकता, नहीं तो वो बताता कि कौन-सी शाखा पहले आई, कौन-सी बाद में अर्थात पेड़ के क्रमवार विकास की जानकारी वह देता। परंतु, सृष्टि रूपी वृक्ष का बीज परमात्मा तो चेतन है। जब वह देखता है कि वैश्विक भावना को भूलकर उसके बच्चे छोटे-छोटे समूहों में बंट गए हैं और एक-दूसरे से कट गए हैं, उनका प्रेम संकुचित और स्वार्थपरक हो गया है, तब ऐसे माहौल को मिटाने के लिए वह स्वयं इस सृष्टि पर अवतरित होकर हम मनुष्यों को विश्व-परिवार की भावना से, एक परिवार में जोड़ने का महान कार्य करते हैं।

हम ना भूलें विश्व परिवार की भावना: आज जबकि भ्रष्टाचार सहित अनेकानेक समस्याओं से देश और विश्व जूझ रहा है, सभी में यदि विश्व परिवार की यह उच्चतम श्रेष्ठ भावना घर कर जाए तो इन सभी समस्याओं को छूमंतर होने में देरी नही लगेगी। स्मरण रहे, मेरे-तेरे की क्षुद्र भावनाएं ही समस्याओं को जन्म देती हैं, आपस में दूरियां बढ़ाती हैं। इसीलिए आज आवश्यक है कि हम संपूर्ण विश्व को अपने परिवार का हिस्सा मानें। किसी के प्रति कोई दुर्भावना ना पालें। इस सोच से ही विश्व का कल्याण संभव है। *

फीलिंग्स

इन दिनों सोनी सब चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे सीरियल 'वागले की दुनिया-नई पीढ़ी नए किस्से' की कहानी के केंद्र में परिवार है। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (15 मई) के अवसर पर परिवार के महत्व के बारे में हरिभूमि को बता रहे हैं, शो के कलाकार।

हमारा प्यारा सपोर्ट सिस्टम
हमारा परिवार

सीरियल 'वागले की दुनिया' के प्रमुख कलाकार

एक ही छत के नीचे रहने वाले परिवार की तीन पीढ़ियों की दैनिक चुनौतियों, खुशियों और आपसी बंधन की कहानी को 'वागले की दुनिया-नई पीढ़ी नए किस्से' सीरियल में दिखाया जा रहा है। परिवार की महत्ता के बारे में अपनी फीलिंग्स यहां शेयर कर रहे हैं शो के एक्टर्स।

सीरियल 'वागले की दुनिया' में श्रीनिवास वागले की भूमिका निभाने वाले **अंजन श्रीवास्तव** कहते हैं, 'हमारा शो फैमिली की इंपॉर्टेंस को ही बताता है। मेरा मानना है कि फैमिली भी देश की तरह होती है। हैप्पी फैमिली के लिए हमें सभी को साथ लेकर चलना चाहिए। संभव है, इसमें रुकावटें आएंगी, ऑब्जेक्शंस होंगे, लेकिन इस वजह से हम फैमिली से अलग नहीं हो सकते। अपनी बात करूं, तो 54 सालों के मेरे प्रोफेशनल करियर में मेरी फैमिली, खासतौर से मेरी वाइफ का बहुत बड़ा योगदान रहा है। मेरा मानना है कि किसी भी फील्ड में ग्रो करने के लिए फैमिली सपोर्ट का बहुत बड़ा रोल होता है।'

सीरियल में राधिका वागले की भूमिका निभा रहीं **भारती आर्चरेकर** फैमिली की महत्ता को स्वीकार करते हुए कहती हैं, 'फैमिली को मैं बहुत इंपॉर्टेंट मानती हूं। हालांकि मैंने बहुत साल अकेले गुजारे हैं। दरअसल, जब मैं 34 साल की थी तभी अपने पति को खो दिया। अब मैं और मेरा बेटा, यही मेरी फैमिली है। लेकिन मेरा मानना है कि फैमिली होना, उसका सपोर्ट होना बहुत जरूरी है। बेटे के अलावा मेरी चार बहनें हैं और हम सभी एक-दूसरे के बहुत क्लोज हैं। मेरी बहनें आस-पास ही रहती हैं, कभी भी जरूरत पड़ने पर वे भागकर आती हैं। इससे मेरे मन में यह बात जरूर रहती है कि मेरी फैमिली है और जरूरत के वक्त मेरे फैमिली मेंबर्स मेरे साथ खड़े होंगे। इससे मुझे बहुत ताकत मिलती है।'

शो में राजेश वागले की भूमिका निभाने वाले **सुमित राघवन** कहते हैं, 'चाहे आनंद के क्षणों को साझा करना हो या एक साथ चुनौतियों से गुजरना हो, परिजनों का एक नेटवर्क होना वास्तव में आशीर्वाद की तरह है। आज की दौड़ती-भागती दुनिया में, खासकर बड़े शहरों में लोग तेजी से अलग-थलग हो रहे हैं। ऐसे में परिवार की महत्ता और भी बढ़ जाती है। मेरा मानना है कि हमारे सीरियल 'वागले की दुनिया' ने दर्शकों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है, इससे उन्हें संयुक्त परिवार की अवधारणा को अपनाने और अपने प्रियजनों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रेरणा मिली है।'

सीरियल में वंदना वागले की भूमिका निभाने वालीं **परिवा प्रणति** कहती हैं, 'वंदना वागले के रूप में मुझे ऐसे शो का हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला है, जो पारिवारिक जीवन के सार को खूबसूरती से दर्शाता है। इस सीरियल में हम उन बंधनों का जश्न मनाते हैं, जो हमें एक-साथ बांधते हैं। हम तीन साल से अधिक समय से साथ में काम कर रहे हैं और ऑफ-स्क्रीन भी एक परिवार की तरह हो गए हैं। वास्तविक जीवन में भी अपने परिवार में प्रियजनों के साथ रहने से जो खुशी और संबल मिलता है, वो अमूल्य होता है। हमें हर हाल में परिवार के साथ जुड़े रहना चाहिए।'

सीरियल में सखी वागले की भूमिका निभाने वाली **चिन्मयी साल्वी** कहती हैं, 'अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस, पारिवारिक बंधनों की सुंदरता का जश्न मनाने का क्षण होता है। हमें अपने परिवार के साथ जो भी खूबसूरत पल बिताने का अवसर मिले, उसे गंवाना नहीं चाहिए। हमारा शो भी परिवारों के भीतर एकजुटता, सहानुभूति और समझ के महत्व को बताता है।' *

प्रस्तुतिः हरिभूमि फीचर्स

बड़ा पर्दा
अशोक जोशी

हालांकि लगभग हर फिल्म में मां किसी न किसी रूप में दिखाई जाती है। लेकिन कुछ फिल्में ऐसी हैं, जो मातृ शक्ति को पर्दे पर शिद्दत के साथ पेश करती हैं। कुछ ऐसी फिल्में बनी हैं, जिन्होंने मां के कद को और ऊंचे स्थान पर प्रतिष्ठित किया है। ऐसी ही कुछ चर्चित फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में खूब दिखे
मां की ममता के रंग

'मदर इंडिया' : नरगिस ने निभाई यादगार भूमिका

'दीवार' : ममतामयी-सख्त किरदार में निरूपा राय

'करन-अर्जुन' : राखी ने निभाई दमदार भूमिका

बात जब मां के चरित्र पर केंद्रित फिल्मों की आती है तो सबसे पहले 'मदर इंडिया' का नाम जेहन में आता है। 1957 में आई नरगिस, राजेंद्र कुमार और सुनील दत्त अभिनीत इस फिल्म को महबूब खान ने निर्देशित किया था। 'मदर इंडिया' देश की आजादी के बाद की कहानी है, जिसमें एक गरीबी से त्रस्त महिला राधा, पति की गैर-मौजूदगी में अपने बच्चों की परवरिश के लिए संघर्ष करती दिखती है। यह ऐसी मां है, जो न तो अपने चरित्र पर दाग लगने देती है बल्कि अपने गांव की एक बेटी को दाग लगने से बचाने के लिए अपने बेटे की जान लेने तक से नहीं हिचकती।

ममतामयी ही नहीं कठोर भी: 'मदर इंडिया' में चित्रित मां का चरित्र बाद में कई सफल फिल्मों का आधार बना। सलीम जावेद ने अपनी फिल्म 'दीवार' और 'त्रिशूल' में ऐसी ही मां को चित्रित किया, जिसे निरूपा राय और वहीदा रहमान ने सशक्त तरीके से पर्दे पर उतारा। संजय दत्त की फिल्म 'वास्तव' की मां रीमा लागू भी ऐसी ही ममतामयी लेकिन सख्त मां है, जो अपने अपराधी बेटे को अपराध के दलदल से निकालने के लिए पिस्तौल का सहारा लेती है। सुचित्रा सेन, अशोक कुमार और धर्मेंद्र अभिनीत 1966 की हिंदी फिल्म 'ममता' उस युवती की कहानी है, जो अपनी उस मां के तलाश में है, जिसने बेटी के बेहतर जीवन के लिए अपने सपनों और अभिलाषाओं का त्याग कर दिया था। फिल्म का निर्देशन असित सेन ने किया था।

मां से जुड़ाव को उकेरती फिल्में : यूं तो 'आराधना' को एक रोमांटिक फिल्म माना जाता है, लेकिन इस फिल्म का आधार एक ऐसी मां की कहानी है, जो अपने बेटे का जीवन संवारने के लिए जेल तक चली जाती है। उसे अंत तक पता नहीं लगने देती कि वह उसकी मां है। बलिदानी मां की इस भूमिका को शर्मिला टैगोर ने बड़ी खूबसूरती से निभाया था। सलमान खान और शाहरुख खान अभिनीत 'करण अर्जुन' मां-बेटों के बीच प्यार की बड़ी खूबसूरत कहानी है। संपत्ति की लालच में मार दिए गए अपने दोनों बेटों के फिर से लौटने के इंतजार में बैठी मां (राखी) को आखिरकार उसके बेटे वापस मिल जाते हैं। फिल्म में मां की ममता के विश्वास की दृढ़ता और उसकी वजह से असंभव को भी संभव बनने का संदेश दिया गया है। फिल्म को राकेश रोशन ने निर्देशित किया है। 'राम लखन' में भी राखी ने ऐसी ही मां की भूमिका निभाई थी।

अचला सचदेव

रीमा लागू

ललिता पंवार

दुर्गा खोटे

कुछ भी कर गुजरने को तैयार मां : 1988 में प्रदर्शित फिल्म 'जख्म' दंगों में जला दी गई एक मुस्लिम मां की कहानी है। पूरी फिल्म एक मुस्लिम मां के उस हिंदू बेटे के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी मां की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए मरने के बाद उसे सम्मान के साथ दफन करने का फैसला करता है। फिल्म की कहानी बताती है कि कैसे एक मां अपने बच्चे और अपने प्यार के लिए आदर्श बनने के लिए अपनी आस्था छोड़ देती है। महेश भट्ट द्वारा निर्देशित यह फिल्म उनके खुद के जीवन के काफी करीब है।

भावनात्मक लगाव दर्शाती फिल्में : महाश्वेता देवी के लिखे बांग्ला उपन्यास पर आधारित गोविंद निहलानी के निर्देशन में बनी 'हजार चौरासी की मां' उस मां की कहानी है, जो नक्सली विचारों से प्रेरित अपने बेटे को एक पुलिस मुठभेड़ में खो देती है और उसके शव के नंबर 1084 की वजह से हजार चौरासी की मां कही जाती है। फिल्म में जया बच्चन और अनुपम खेर मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। 'निल बटे सन्नाटा' एक ऐसी वंचित लेकिन सशक्त मां की कहानी है, जो अपनी बेटी के लिए बड़े-बड़े सपने देखती है।

मां के रोल में खूब किया गया इनको पसंद: फिल्मों में सहृदय ममतामयी मां की भूमिका को निरूपा राय ने इतनी शिद्दत के साथ पर्दे पर उतारा है कि आम जीवन में भी सभी सीधी-सादी मां को निरूपा राय कह कर ही पुकारा जाता है। अचला सचदेव, लीला चिटणीस और सुलोचना जैसी कुछ ऐसी अभिनेत्रियां हुई हैं, जिन्हें दर्शकों ने हमेशा मां की भूमिका में ही देखा। जब गौरवशाली और ममतामयी मां की भूमिका का उल्लेख होता है तो 'मुगले आजम' में जोधा बाई की भूमिका निभाने वाली दुर्गा खोटे का नाम भुलाए नहीं भूलता। आधुनिक फिल्मी माताओं में रीमा लागू ने एक सेलिब्रिटी मां के चरित्र को पर्दे पर उतारा है। क्रूर और सौतेली मां की भूमिका में ललिता पंवार, शशिकला और अरुणा इरानी ने नाम कमाया। कुछ अभिनेत्रियां, कुछ खास नायकों की मां के लिए रोल मॉडल बना दी गईं। कामिनी कौशल को मनोज कुमार की मां के रूप में पसंद किया गया तो रीमा लागू सलमान खान की मां के रोल में खूब पसंद की गईं। *